



■ बुनियादी ढांचा सुधार से तेजी से बढ़ रहा उप्र का संपत्ति बाजार : यूपी रेरा -10



■ कामकाज का मॉडल बदल रहा एआई, पर बाजार नहीं होगा कम -10



■ तीस्ता पर तनाव : भारत से जुड़ा मुद्दा लेकर चीन के पास पहुंचा बांग्लादेश -11



■ विनेश फोगाट एशियन गेम्स के सेलेक्शन ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित -12

आज का मौसम

अधिकतम तापमान

22.0°

व्यूजलम तापमान

सूर्योदय 05.28

सूर्यास्त 06.50

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष षष्ठी, 12:21 उपरांत साप्तमी विक्रम संवत 2083 **

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

शुक्रवार, 8 मई 2026, वर्ष 36, अंक 90, पृष्ठ 12+4

मूल्य 6 रुपये

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

● लखनऊ ● बरेली ● कानपुर ● मुरादाबाद ● अयोध्या ● हल्द्वानी

अमृत विचार

दमखम

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को बिष्णुगढ़ी महाविद्यालय (यमकेश्वर, उत्तराखंड) में युवाओं को फिटनेस के प्रति प्रेरित करने के लिए ओपन जिम उपकरणों पर व्यायाम किया।

ऑपरेशन सिंदूर अंत नहीं था, यह तो बस एक शुरुआत है

● सेना का संदेश- कोई आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं

जयपुर, एजेंसी

भारतीय सेना ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि पाकिस्तान में कोई भी आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं है और यह मिशन तो बस एक शुरुआत है।

ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष पूरे होने पर भारतीय वायुसेना, नौसेना

वाइस एडमिरल प्रमोद

एयर मार्शल अवदेश

उपप्रमुख ले. जनरल जुबिन

और थलसेना के सैन्य अभियानों के प्रमुखों ने जयपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ऑपरेशन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। इस अभियान को सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को दंडित करने के वास्ते पिछली आधी सदी में भारत का सबसे व्यापक सैन्य अभियान बताया गया।

इस ऑपरेशन के क्रियान्वयन में अहम भूमिका निभाने वाले सेना के तत्कालीन सैन्य संचालन महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर अंत नहीं था, यह तो बस एक शुरुआत है। घई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने अपनी पुरानी रणनीतियों से हटकर एलओसी और पाकिस्तान के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा

पहली वर्षगांठ पर पाकिस्तान को भारतीय सेना का करारा जवाब

शतरंज का खेल, पारियों की हार

नई दिल्ली। पिछले साल सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद से एक साल के भीतर, सैन्य अधिकारियों ने इसकी जटिलताओं का वर्णन करने के लिए कई उपमाओं का इस्तेमाल किया है- दुश्मन की अगली चाल के बारे में अनिश्चितता को दर्शाने के लिए 'शतरंज का खेल' से लेकर भारत की जीत की विशालता को उजागर करने के लिए 'पारियों की हार' तक। इस सैन्य कार्रवाई में शुरुआत से ही प्रतीकात्मकता अंतर्निहित थी। इसके नाम के साथ-साथ अब व्यापक रूप से पहचाने जाने वाले 'लोगो' से भी एक स्पष्ट संदेश मिलता है।

के पार स्थित आतंकवादी ढांचों को बेहद समन्वित तरीके से निशाना बनाया। यह अभियान हमारे देश के संकल्प, जिम्मेदारी और रणनीतिक

मोदी ने सो. मीडिया की डीपी बदली

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर के एक साल पूरा होने पर अपने सभी सोशल मीडिया हैंडल पर डिस्कले पिकचर (डीपी) बदल दी तथा उन्होंने सभी से सशस्त्र बलों और उनकी सफलता के प्रति सम्मान के रूप में ऐसा ही करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने एक पोस्टर में कहा कि एक साल पहले भारतीय सशस्त्र बलों ने अपने शौर्य का प्रदर्शन किया था और हमला करने वालों को करारा जवाब दिया था।

संयम का प्रतीक था। तत्कालीन एयर ऑपरेशन्स महानिदेशक एयर मार्शल भारती ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने वायु शक्ति को अहमियत को फिर

से स्थापित किया। 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पिछले वर्ष सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।

न्यूज ब्रीफ

अवैध दवा : अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नकली दवा बनाने, सरकारी आपूर्ति की दवाओं पर नए लेबल लगाने तथा उन्हें वितरित करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के मुखर्जी नगर इलाके में एक अवैध इकाई का भी पता चला है, जहां दवाइयों की प्रोसेसिंग और दोबारा पैकिंग की जा रही थी। यह गिरोह उत्तर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों के लिए भेजी गई दवाइयों हासिल करता था। गिरफ्तार किए गए लोगों में मुखर्जी नगर का निवासी कथित सरगना मनोज कुमार जैन (56), फंक्कूला (हरियाणा) निवासी राजू कुमार मिश्रा (57), प्रयागराज निवासी विक्रम सिंह उर्फ सन्नी (32) और वतन (35) शामिल हैं।

कनाडा करे भारत विरोधी चरमपंथियों पर कार्रवाई

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा से आह्वान किया कि वह उसकी धरती से काम कर रहे भारत विरोधी चरमपंथी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करे। भारत की यह अपील कनाडा की खुफिया रिपोर्ट के महेन्जर आई है, जिसमें खालिस्तानी तत्वों द्वारा उत्पन्न राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे को उजागर किया गया है। पिछले सप्ताह जारी 2025 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि खालिस्तानी चरमपंथियों की हिंसक उग्रवादी गतिविधियों में संलिप्तता कनाडा के लिए खतरा बनी हुई है।

नीति आयोग ने स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए 13 सिफारिशें सौंपी

नई दिल्ली, एजेंसी

नीति आयोग ने स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए राज्य एवं जिलास्तर पर कार्यबल गठित करने की वकालत की है। साथ ही रचनात्मक व छात्र केंद्रित शिक्षा के लिए एआई को एकीकृत करने का सुझाव दिया है। भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली 'समयगत विश्लेषण एवं गुणवत्ता सुधार के लिए नीति ढांचा' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में गुणवत्ता सुधारने के लिए 13 सिफारिशें दी हैं।

पांच शैक्षणिक सिफारिशों में शिक्षण पद्धति, मूल्यांकन एवं सीखने में बुनियादी बदलाव, समग्र शिक्षा एवं छात्र कल्याण पर जोर, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल एकीकरण की पुनर्कल्पना, ईसीसीई को मजबूत करना और शैक्षणिक नवाचार में एआई का एकीकरण शामिल हैं। इसके अलावा, 8 प्रणालीगत

शिक्षा प्रणाली में 14.71 लाख स्कूल शामिल

भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में 14.71 लाख स्कूल शामिल हैं जिनमें 24.69 करोड़ से अधिक छात्र शिक्षा प्राप्त करते हैं जिससे यह दुनिया की सबसे बड़ी प्रणाली बन जाती है। रिपोर्ट में पिछले दशक में हुई प्रगति पर विचार करते हुए 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के लिए पहुंच, अवसरचना, समानता, समावेश, डिजिटल एकीकरण और सीखने के परिणामों जैसे प्रमुख आयामों पर व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत किया है।

सिफारिशों में समग्र विद्यालयों एवं साक्ष्य-आधारित युक्तिकरण के माध्यम से विद्यालय संरचना में सुधार करना, विद्यालय के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, तथा स्कूल प्रबंधन समितियों को सशक्त करना शामिल है।

बिना कारण बताए नहीं होगी कोई गिरफ्तारी : राज्य सरकार

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के समक्ष एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से भरोसा दिलाया गया है कि प्रदेश में किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तारी के कारण और आधार बताए बिना गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

सभी गिरफ्तारियां बीएनएसएस के प्रावधानों के अनुसार ही की जाएंगी। कोर्ट ने याचिका को मंजूर करते हुए मामले के याची को तत्काल रिहा करने के आदेश दिए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन व न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार

श्रीवास्तव की खंडपीठ ने बलरामपुर जनपद निवासी संतोष गुप्ता की ओर से उसके पुत्र द्वारा दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिया है। धोखाधड़ी व कूटरचना के आरोपों से संबंधित बलरामपुर के कोतवाली नगर में दर्ज एफआईआर में याची को आरोपी पाते हुए गिरफ्तार किया गया था। याची की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता पुरेंद्र चक्रवर्ती व अधिवक्ता अतुल कृष्ण आदि ने दलील दी कि गिरफ्तारी नृतिपूर्ण थी क्योंकि अभियुक्त को गिरफ्तारी के आधार उपलब्ध नहीं कराए गए थे। जो सुप्रीम कोर्ट द्वारा मिहिर राजेश शाह मामले में दिए गए दिशा-निर्देशों के विरुद्ध है।

मान के ओएसडी के सहयोगी पर ईडी छापे के बीच नोटों की बारिश

चंडीगढ़। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित जमीन धोखाधड़ी मामले में धनशोधन जांच के तहत मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) के एक निकट सहयोगी के परिसरों समेत पंजाब और चंडीगढ़ में 12 स्थानों पर बृहस्पतिवार को छापे मारे। इस दौरान छापे से बचने के लिए मोहाली की एक ऊंची इमारत से नोटों भरे दो बैग नीचे फेंके गए जो जमीन तक पहुंचने से पहले ही खुल गए और पांच सौ के नोटों की बारिश होने लगी। ईडी के अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी नितिन गोहल नामक व्यक्ति के परिसरों पर भी छापे मारे गए हैं। आईटी पेशेवर गोहल का संबंध पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी राजबीर घुमण से है। आरोपियों पर गमाड़ा से भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) लाइसेंस हासिल करने में धोखाधड़ी करने और बाद में लोगों से ठगी करने का आरोप है।

निगरानी

अमृत विचार: प्रदेश में सड़क, पुल और जलापूर्ति जैसी बड़ी सरकारी परियोजनाओं की गुणवत्ता पर अब आईआईटी और इंजीनियरिंग संस्थानों की नजर रहेगी। योगी सरकार ने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने व गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने के लिए थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट की नई व्यवस्था लागू कर दी है। लोक निर्माण विभाग ने इसके लिए विस्तृत शासनादेश जारी किया है।

अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार की ओर से गुरुवार को सभी सचिवालय, निदेशालय, मंडलायुक्त,

अब एआई बताएगा टिकट कंफर्म होगा या नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रेलवे 40 साल पुरानी अपनी यात्री आरक्षण प्रणाली पूरी तरह से बदलेगा। वहीं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के जरिए आपको पता चलेगा कि आपका वेटिंग टिकट कंफर्म होगा या नहीं। इस सिलसिले में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को यहां स्थित रेल भवन में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

वैष्णव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस बात का ख्याल रखें कि उन्नत प्रणाली पर गाड़ियों के स्थानांतरण के समय यात्रियों को

परेशानी न हो। बैठक में रेल राज्य मंत्री वी सोमना और रवनीत सिंह बिट्टू भी उपस्थित थे। रेलवे के अनुसार 1986 में शुरू हुई इस प्रणाली में पिछले 40 साल में कई छोटे बदलाव किए गए हैं, लेकिन अब इसमें आमूलचूल परिवर्तन किया गया है। अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर इसके

- रेलवे बदलेगा 40 साल पुरानी आरक्षण प्रणाली
- रेल मंत्री वैष्णव ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा

क्षमता का विस्तार किया गया है। रेलवे के अनुसार रेल आरक्षण प्रणाली ने कई महत्वपूर्ण पड़ाव देखे हैं। वर्ष 2002 में भारतीय रेलवे ने टिकटिंग में इंटरनेट का प्रयोग शुरू किया। आज यह प्रणाली इतनी लोकप्रिय है कि देश की ज्यादातर आबादी खिड़की की ओर रुख नहीं करती।

देश में 88% टिकट ऑनलाइन बुक हो रहे

वर्तमान में देश में 88 प्रतिशत टिकट ऑनलाइन माध्यम से बुक किए जाते हैं। वहीं, रेलवे का मोबाइल एप रेलवन यात्रियों के बीच बेटी जैसी से लोकप्रिय हो रहा है। एक साल से कम समय में ही 3.5 करोड़ लोग इसे डाउनलोड कर चुके हैं। आज जब यात्री अपनी टिकट बनाते हैं, तो एप आपको यह बताता है कि वेटिंग में दिख रही टिकट कन्फर्म होगी या नहीं। कन्फर्म होने की सटीक संभावना अब आपको एआई के माध्यम से रेलवन एप बताते लगेगा।

सड़क, पुल और जलापूर्ति परियोजनाओं का होगा थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट

प्रदेश के निर्माण कार्यों पर अब आईआईटी की नजर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सरकार ने नई व्यवस्था को लेकर सभी विभागों को जारी किया शासनादेश

आईआईटी दिल्ली, आईआईटी रुड़की, एमएनआईटी प्रयागराज, एएमयू अलीगढ़, एचबीटीयू कानपुर और एमएमएमयूटी गोरखपुर सहित कई संस्थानों को अलग-अलग श्रेणी की परियोजनाओं का ऑडिट सौंपा जाएगा। शासनादेश में सड़क, पुल और जलापूर्ति/सीवर परियोजनाओं के लिए अलग-अलग मानक तय किए गए

किन संस्थानों को मिली जिम्मेदारी

- आईआईटी कानपुर
- आईआईटी बीएचयू
- आईआईटी दिल्ली
- आईआईटी रुड़की

- एमएनआईटी प्रयागराज
- एमएमयू अलीगढ़
- एचबीटीयू कानपुर
- एमएमएमयूटी गोरखपुर

हैं। 25 करोड़ से अधिक लागत वाली परियोजनाओं में थर्ड पार्टी ऑडिट अनिवार्य किया है। 100 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की निगरानी आईआईटी जैसे राष्ट्रीय संस्थान करेंगे, जबकि मध्यम श्रेणी की परियोजनाओं में राज्यस्तरीय संस्थान करेंगे। शासनादेश के अनुसार संबंधित विभाग और तकनीकी संस्थान के बीच एमओयू

होगा। ऑडिट एजेंसियां निर्माण सामग्री, डिजाइन, सुरक्षा मानकों, गुणवत्ता नियंत्रण और कार्य प्रगति की जांच करेंगी। निर्माण के विभिन्न चरणों डिजाइन, 25 प्रतिशत, 50 प्रतिशत, 75 प्रतिशत प्रगति और कार्य पूर्ण होने पर निरीक्षण अनिवार्य रहेगा। सरकार ने गुणवत्ता ऑडिट के लिए शुल्क भी तय किया है।

न्यूज़ ब्रीफ

लोक अदालत 9 को जनअभियान बनाने की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्य सचिव एस. पी. गोयल ने राष्ट्रीय लोक अदालत को जनअभियान का रूप देने के लिए सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को व्यापक तैयारियों के निर्देश दिए हैं। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा करते हुए कहा कि 9 मई को प्रदेश के सभी जिलों में राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित होगी, जिसके सफल संचालन के लिए विभागीय समन्वय जरूरी है। उन्होंने प्री-लिटिगेशन मामलों की अधिक पहचान कर उनके निस्तारण पर जोर दिया, ताकि लोगों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिल सके। जागरूकता के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया, आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को जोड़ा जाएगा। निर्देश दिए गए कि समय पर नोटिस तामीली हो, बार एसोसिएशन से समन्वय रहे और आयोजन के दौरान न्यायालय परिसरों में मेगा हेल्थ कैंप, ओडीओपी उत्पादों की प्रदर्शनी व सरकारी योजनाओं के स्टॉल भी लगाए जाएं, ताकि लोक अदालत जनसेवा का व्यापक मंच बन सके।

स्पेल कार्यक्रम से युवाओं में बढ़ रही नेतृत्व क्षमता : योगेंद्र
अमृत विचार, लखनऊ: उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ‘स्टूडेंट पुलिस एक्सपीरिएंशियल लर्निंग (स्पेल)’ कार्यक्रम युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित कर रहा है। एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए संचालित इस कार्यक्रम का दूसरा चरण प्रदेश के सभी 75 जिलों में सफलतापूर्वक पूरा हुआ। कार्यक्रम में कमिश्नरेंट क्षेत्रों से 75 और अन्य जिलों से 50 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। शासनादेश के अनुसार प्रतिभागी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्तर पर अंकपत्र में दो क्रेडिट अंक दिए जाएंगे। राज्य सर्कट अधिकारी डॉ. मंजु सिंह ने बताया कि केन्द्रीय गृह मंत्रालय की पहल पर 30 दिनों में 120 घंटे का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें पुलिस कार्यप्रणाली, साइबर सुरक्षा, ट्रैफिक व आपदा प्रबंधन शामिल रहा।

भूसा संग्रह अभियान तेज, 60.99 लाख किंवदंतल का लक्ष्य

अमृत विचार, लखनऊ : पशुओं के लिए चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने व्यापक ‘भूसा संग्रह अभियान’ शुरू किया है। एक वर्ष के लिए 131.40 लाख किंवदंतल भूसे की आवश्यकता के सापेक्ष 60.99 लाख किंवदंतल संग्रह का लक्ष्य तय किया गया है, जिसमें अब तक 26.78 लाख किंवदंतल भूसा एकत्र कर लाभमा 43.9 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, अभियान के तहत दान और क्रय दोनों माध्यमों से भूसा जुटाया जा रहा है। निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक घर आश्रय स्थल पर भूसा बैक स्थापित कर किसानों से समन्वय के जरिए नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। प्रदर्शन में ललितपुर सबसे आगे है, जहां लक्ष्य के मुकाबले 102.9 प्रतिशत संग्रह हुआ है। इसके बाद देवरिया और गोरखपुर का स्थान है। मऊ, आगरा, महाराजगंज, सहारनपुर और हरदोई में भी अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि लखनऊ, कानपुर नगर, संभल और इटावा में प्राप्ति धीमी है। दान आधारित संग्रह में 12.19 लाख किंवदंतल लक्ष्य के सापेक्ष 2.65 लाख किंवदंतल भूसा जुटाया गया है। सरकार ने आमजन, संस्थाओं और गोधवकों से अभियान में सहयोग की अपील की है।

अनुदान के खर्च का हिसाब न देने वाले विभागों पर सख्ती की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने अनावर्ती सहायता अनुदानों के खर्च का समय पर हिसाब न देने वाले विभागों और अधिकारियों पर सख्ती शुरू कर दी है। दीपक कुमार द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि लंबित उपयोगिता प्रमाण-पत्र (यूसी) और एसी बिलों के सापेक्ष डीसी बिल तत्काल जमा कराए जाएं, अन्यथा संबंधित नियंत्रक अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

शासनादेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही

डीपी में ‘सिंदूर’, कवर पर ‘ब्रह्मोस’

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: योगी आदित्यनाथ ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की पहली वर्षगांठ पर सोशल मीडिया पर अपनी प्रोफाइल डीपी और कवर फोटो बदलकर एक मजबूत संदेश दिया है। डीपी में ‘ऑपरेशन सिंदूर’ का लोगो और कवर फोटो में ब्रह्मोस मिसाइल को प्रमुखता दी गई है, जिसे आतंकवाद के खिलाफ भारत की आक्रामक नीति का संकेत माना जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह बदलाव केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं, बल्कि

- मुख्यमंत्री योगी ने दिया डिजिटल स्ट्राइक संदेश
- ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर बदली प्रोफाइल तस्वीर



“नया भारत” और मजबूत रक्षा नीति का प्रतीक है। खास बात यह है कि ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण अब लखनऊ में भी हो रहा है, जिससे डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर

को बल मिला है। 7 मई 2025 को भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान स्थित ठिकानों पर संयुक्त सैन्य कार्रवाई की थी, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित कई नेताओं ने भी डीपी बदली, लेकिन योगी की कवर फोटो को अधिक आक्रामक संकेत माना जा रहा है। ब्रह्मोस परियोजना को सूची डिफेंस कॉरिडोर की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, जिसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अहम कदम बताया जा रहा है।

नौकरियों में खत्म हुआ सिफारिश और सेटिंग का दौर : मुख्यमंत्री

योगी ने 481 अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र, बोले- योग्यता ही चयन का आधार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक बार फिर सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता और तकनीक आधारित चयन प्रक्रिया को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि प्रदेश में अब सिफारिश, जाति, पैसे और पहुंच नहीं, बल्कि सिर्फ योग्यता के आधार पर नौकरियां मिल रही हैं। आरोप लगाया कि 2017 से पहले प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया संगठित वसूली के साथ जातीय और क्षेत्रीय पक्षपात से प्रभावित रहती थी।

लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने आयुष विभाग, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग तथा दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के लिए चयनित 481 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने कहा कि परीक्षा के बाद तो किसी स्तर पर अनैतिक साधनों या सिफारिश की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया भ्रष्टाचार, जातीय और क्षेत्रीय पक्षपात से प्रभावित रहती थी, जिससे योग्य युवाओं का शोषण होता था। उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि योग्य अभ्यर्थी की जगह



लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में चयनित अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र प्रदान करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार

भर्ती प्रक्रिया को चयनित युवाओं ने सराहा

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में सरकारी भर्तियों को लेकर युवाओं का भरोसा मजबूत होता दिख रहा है। चयनित अभ्यर्थियों ने कहा कि पहले भर्तियों में भ्रष्टाचार और सिफारिश की शिकायतें रहती थीं, लेकिन अब पारदर्शिता बढ़ी है और योग्यता को प्राथमिकता मिल रही है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों में आयुष विभाग के 202, व्यावसायिक शिक्षा विभाग के 272 और दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के सात अभ्यर्थियों को गुरुवार को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। आयुष विभाग में प्रोफेसर (यूनानी) पद पर चयनित डॉ. मोहम्मद नासिर ने कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष रही। वहीं स्टार्ट नर्स (आयुर्वेद) पद पर चयनित उपासना देवी और अनामिका पटेल ने भर्ती को पारदर्शी बताया। चिकित्सा अधिकारी (आयुर्वेद) पद पर चयनित आयुष भारद्वाज और डॉ. खुर्शीद आलम समेत अन्य अभ्यर्थियों ने कहा कि निष्पक्ष व्यवस्था से युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है और अब मेहनत का सही फल मिल रहा है।

घूसखोर व्यक्ति व्यवस्था में आ जाए तो वह 30-35 वर्षों तक पूरे सिस्टम को घुन की तरह खोखला करता है। योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में जवाबदेही तय की और तकनीक का इस्तेमाल कर नहीं, बल्कि निवेश, रोजगार और सुशासन वाले राज्य की बन रही है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य की अर्थव्यवस्था, प्रति व्यक्ति आय

बीते 15 दिनों में यह चौथा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक नियुक्तियां देने वाला राज्य बन चुका है। यूपी की पहचान अब भ्रष्ट और अराजक प्रदेश की नहीं, बल्कि निवेश, रोजगार और सुशासन वाले राज्य की बन रही है। यूपी अब देश के “टॉप-3 राज्यों” में शामिल हो चुका है।

और वार्षिक बजट तीन गुना बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां संचालित हो रही हैं, जिससे तीन करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में बड़े उद्योगों की संख्या 14 हजार से बढ़कर 32 हजार से अधिक हो गई है। यूपी अब देश के “टॉप-3 राज्यों” में शामिल हो चुका है।

मथुरा में दो इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में ढेर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: हरदोई में एनकाउंटर के दूसरे दिन यूपी पुलिस ने मथुरा में भी दो अपराधियों को ढेर कर दिया। मथुरा एनकाउंटर में दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। दोनों अपराधियों ने सुनौर कोमवाली क्षेत्र के टैटी ग्रामस्थान में डकैती कांड को अंजाम दिया था। बदमाशों के खिलाफ पूर्व में भी कई मामले दर्ज हैं। एनकाउंटर में मारे गए बदमाशों में एक की पहचान धर्मवीर उर्फ लंबू के रूप में हुई है जो कि राजस्थान के भरतपुर का रहने वाला है। जबकि दूसरा बदमाश पप्पू उर्फ राजेंद्र था जो कि राजस्थान के ही अलवर का रहने वाला था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बदमाशों ने 23 अप्रैल की रात मथुरा में व्यापारी अजय अग्रवाल के घर में घुसकर

परिजनों को बंधक बनाया और डकैती की वारदात को अंजाम दिया। तीन लाख रुपये और 12 लाख रुपये से अधिक के जेवराल लूट ले गए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक ने डकैती को तलाश के लिए 17 टीमें बनाई एवं अपराधियों को पकड़ने के लिए 50 हजार का इनाम भी घोषित कर दिया। मुठभेड़ में ढेर गए पुलिस ने दोनों बदमाशों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि सुरीर इलाके में व्यापारी के यहां डकैती की घटना हुई थी, जिसमें समान व नगदी लूट कर बदमाश ले गए थे। पकड़े गए मृत बदमाश नाम बदलकर डकैती घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटा गया सामान और नकदी भी बरामद की है।

‘ऑपरेशन सिंदूर’ सेना के पराक्रम का प्रतीक

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की प्रथम



वर्षगांठ पर देश के वीर जवानों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष इसी दिन भारतीय सेना के वीर सपूतों ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करते हुए सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दुनिया को भारत की शक्ति और अटूट संकल्प का परिचय कराया था। मौर्य ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत आतंकवाद के खिलाफ पूरी मजबूती से खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत अब हर आतंकी साजिश का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।

प्रोटोकॉल उल्लंघन पर होगी कार्रवाई मुख्य सचिव ने विभागों और शीर्ष अधिकारियों को जारी किया आदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने सांसदों और विधायकों के फोन कॉल नजरअंदाज करने और उनके प्रति निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन न करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने इस संबंध में गुरुवार को नया शासनादेश जारी करते हुए सभी विभागों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं।

शासनादेश में कहा गया है कि लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कई अधिकारी जनप्रतिनिधियों के फोन रिसीव नहीं करते, कॉल बैक नहीं करते और प्रोटोकॉल संबंधी निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। कई मामलों को सदन, पीठ और संसदीय

- सांसद और विधायकों का फोन न उठाने पर अफसरों पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई : मुख्य सचिव

अनुश्रवण समिति तक उठाया गया है, जिसे सरकार ने गंभीरता से लिया है। मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सांसदों और विधायकों के सीयूजी नंबर तथा उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए अन्य मोबाइल नंबर अधिकारियों को अपने फोन में सेव रखने होंगे। कॉल आने पर उसे अनिवार्य रूप से रिसीव करना होगा। यदि अधिकारी बैठक या अन्य कारण से उपलब्ध नहीं हैं तो प्राथमिकता के आधार पर कॉल बैक करना होगा। शासनादेश में यह भी कहा गया है कि

भर्ती प्रक्रिया पर बढ़ा युवाओं का भरोसा

प्रदेश सरकार लगातार भर्ती प्रक्रियाओं को तकनीक आधारित, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर जोर दे रही है। हाल के वर्षों में पुलिस भर्ती समेत विभिन्न विभागों की भर्तियों में डिजिटल निगरानी, सख्त सुरक्षा व्यवस्था और पारदर्शी मूल्यांकन प्रणाली लागू किए जाने से युवाओं का भरोसा बढ़ा है। प्रदेश सरकार का दावा है कि भर्ती प्रक्रिया में सिफारिश और भ्रष्टाचार की गुंजाइश खत्म कर योग्यता आधारित चयन सुनिश्चित किया गया है।

के तहत प्रत्येक विषय में न्यूनतम 35 प्रतिशत तथा कुल 50 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले अभ्यर्थियों में से मेरिट एवं आरक्षण व्यवस्था के अनुसार सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी की है। अब चयनित अभ्यर्थियों को अगले चरण यानी

प्रदेश में अब तुष्टीकरण की नहीं संतुष्टिकरण की राजनीति : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/सहारनपुर



सहारनपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे के दौरान उस समय खास नजारा देखने को मिला, जब एक छोटे बच्चे ने योगी आदित्यनाथ की तरह भगवा वस्त्र पहनकर कार्यक्रम में एंट्री की। बच्चे को देखकर वहां मौजूद लोगों ने उसे “छोटे योगी” कहना शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री ने भी बच्चे को देखकर मुस्कुराते हुए आशीर्वाद दिया।

देशद्रोहियों का काम होगा तमाम

सीएम योगी ने देवबंद और एटीएस सेंटर का जिक्र करते हुए कहा कि कोई भी देशद्रोही सिर उठाएगा तो उसका काम तमाम होना तय है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा में सेंध लगाने वालों और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में रहकर दुश्मन के गीत गाना स्वीकार नहीं किया जा सकता। वंदे मातरम के अपमान को संज्ञेय अपराध बनाए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रतीकों का अपमान अब बर्दाश्त नहीं होगा।

चेक मीटर रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग उठाई

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में 5 लाख से अधिक स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जाने के बीच उनकी विश्वसनीयता को लेकर विवाद तेज हो गया है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आरोप लगाया है कि भारत सरकार की ग्राइडलाइन के अनुसार 5 प्रतिशत चेक मीटरों की मिलान रिपोर्ट अब

तक सार्वजनिक नहीं की गई है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि स्मार्ट मीटरों पर कई प्रेस कॉन्फ्रेंस हुईं, लेकिन चेक मीटरों की रिपोर्ट पर स्पष्ट जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि कुछ मामलों को दिखाकर लाखों उपभोक्ताओं की शंकाएं दूर नहीं की जा सकतीं। उन्होंने बताया कि परिषद ने पहले

ही पुराने मीटरों को चेक मीटर के रूप में बनाए रखने की मांग की थी, ताकि उपभोक्ताओं का भरोसा बना रहे। इस बीच स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी नोटिस के जवाब की समय सीमा गुरुवार को समाप्त हो गई है, जिस पर पावर कॉरपोरेशन मंथन कर रहा है।

प्रोटोकॉल उल्लंघन पर होगी कार्रवाई मुख्य सचिव ने विभागों और शीर्ष अधिकारियों को जारी किया आदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने सांसदों और विधायकों के फोन कॉल नजरअंदाज करने और उनके प्रति निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन न करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने इस संबंध में गुरुवार को नया शासनादेश जारी करते हुए सभी विभागों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं।

शासनादेश में कहा गया है कि लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कई अधिकारी जनप्रतिनिधियों के फोन रिसीव नहीं करते, कॉल बैक नहीं करते और प्रोटोकॉल संबंधी निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं। कई मामलों को सदन, पीठ और संसदीय

- सांसद और विधायकों का फोन न उठाने पर अफसरों पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई : मुख्य सचिव

अनुश्रवण समिति तक उठाया गया है, जिसे सरकार ने गंभीरता से लिया है। मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सांसदों और विधायकों के सीयूजी नंबर तथा उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए अन्य मोबाइल नंबर अधिकारियों को अपने फोन में सेव रखने होंगे। कॉल आने पर उसे अनिवार्य रूप से रिसीव करना होगा। यदि अधिकारी बैठक या अन्य कारण से उपलब्ध नहीं हैं तो प्राथमिकता के आधार पर कॉल बैक करना होगा। शासनादेश में यह भी कहा गया है कि

जनप्रतिनिधि यदि किसी जनहित के मुद्दे को लेकर कार्यालय पहुंचते हैं तो अधिकारियों को अपनी सीट से खड़े होकर उनका स्वागत करना होगा। उनसे सम्मानपूर्वक बातचीत करनी होगी और जल ग्रहण के लिए आग्रह भी करना होगा। उनकी समस्याओं को प्राथमिकता पर सुनकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना होगा। सरकार ने साफ किया है कि प्रोटोकॉल उल्लंघन उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी आचरण नियमावली-1956 के नियम 3(2) के दायरे में माना जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-1999 के तहत कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अनुदान के खर्च का हिसाब न देने वाले विभागों पर सख्ती की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उपयोगिता प्रमाण-पत्र और डीसी बिल समय से जमा न करने पर तय होगी जिम्मेदारी
- 11 से 28 मई तक चलाया जाएगा विशेष अभियान

तक बड़ी संख्या में अनुदानों का समायोजन यूसी के अभाव में लंबित है, जिस पर प्रधान महालेखाकार कार्यालय ने आपत्ति जताई है। इसे देखते हुए 11 मई से 28 मई 2026 तक विभागीय प्रण्डियों और भुगतानों के लेखा मिलान का विशेष अभियान चलाया जाएगा।

वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि समय पर लेखा मिलान न कराने पर

पूरी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी और महालेखाकार के आंकड़े अंतिम माने जाएंगे। विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी आवश्यक दस्तावेज- रिकंसिलिएशन शीट, मासिक व्यय विवरण और अन्य रिपोर्ट- समय से उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही वर्ष 2001-02 से 2024-25 तक लंबित यूसी का निस्तारण प्राथमिकता पर करने को कहा गया है।

क्या है उपयोगिता प्रमाण-पत्र**:** यूसी वह आधिकारिक दस्तावेज है, जिससे यह प्रमाणित होता है कि सरकारी अनुदान निर्धारित उद्देश्य पर ही खर्च किया गया है।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार**:** राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को जनभवन से उत्तर प्रदेश में जनगणना 2027 के मकान सूचीकरण एवं स्व-गणना प्रक्रिया की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने डिजिटल माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर स्व-गणना अभियान की शुरुआत की। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार को स्व-गणना पोर्टल शुरू करने के लिए बधाई देते हुए प्रदेशवासियों से अपील की कि वे स्व-गणना अधिकारियों को सही, तथ्यात्मक और पूर्ण जानकारी



जनभवन में स्व-गणना प्रक्रिया की शुरुआत करती राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

उपलब्ध कराएं, ताकि भविष्य में जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण में मदद मिल सके। कार्यक्रम में निदेशक जनगणना एवं मुख्य प्रधान निदेशक जनगणना अधिकारी शीतल वर्मा ने स्व-गणना पोर्टल की जानकारी साझा की। विशेष कार्याधिकारी डॉ.

सुधीर महादेव बोबड़े, प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन एसवीएस रंगाराव, मंडलायुक्त विजय विश्वास पन्त, जिलाधिकारी विशाख जी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। प्रदेश में जनगणना 2027 का पहला चरण 22 मई से 20 जून

क्या है स्व-गणना सुविधा
■ नागरिक खुद ऑनलाइन जानकारी भर सकते हैं
■ 21 मई तक उपलब्ध रहेगा विकल्प
■ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सीधी डेटा एंट्री
■ 22 मई से 20 जून तक जनगणना कर्मों करेगे सत्यापन

2026 तक संचालित किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक मोबाइल ऐप के जरिए घर-घर जाकर परिवार के मुखिया, मकान की स्थिति, मूलभूत सुविधाओं और परिसंपत्तियों से जुड़े 33 अधिसूचित प्रश्नों की जानकारी एकत्रित करेगे।

मुख्य सचिव ने खुद भरा जनगणना फॉर्म
अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने गुरुवार को जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) प्रक्रिया में स्वयं भाग लेते हुए ऑनलाइन फॉर्म भरकर सबमिट किया। इसके साथ ही उन्होंने सभी जिलाधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रक्रिया को जनआंदोलन का रूप दिया जाए। मुख्य सचिव ने आधिकारिक पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने के बाद कहा कि डिजिटल जनगणना की सफलता के लिए अधिकतम जनभागीदारी जरूरी है।



न्यूज ब्रीफ

बदलते मौसम में खानपान में रखें संयम

अमृत विचार, लखनऊ : विकास खंड चिनहट के सभागार में गुरुवार को आयुध आपके द्वार कैप आयोजित किया गया। राककीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय बस्तीली इंदिरा नगर की प्रभारी डॉ. निरुपमा कुमवाहा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कैप में लोगों को उन्होंने आयुर्वेदिक चिकित्सा सुविधा की जानकारी दी। मौसम के अनुसार बीमारी व उनका उपचार बताया। कहा कि बदलते मौसम में खानपान में संयम रखें। घरेलू आयुर्वेदिक औषधियों के प्रयोग से भी स्वयं को निरोग रखा जा सकता है।

बीसी सखी के लिए 350 ने किए आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : जिले में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ग्राम पंचायतों में 91 बीसी सखी रखी जाएगी। इनका कार्य ग्रामीणों को बैंक संबंधित सेवाएं देना है। गठित समूह से 350 महिलाओं ने आवेदन किए हैं। इनका साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जाएगा। इससे एक तरफ ग्रामीणों को बैंकों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और महिलाएं इस कार्य से मिलने वाले कमीशन से आजीविका चलाएंगी।

एग्रीजंक्शन योजना के आवेदन 30 तक

अमृत विचार, लखनऊ : जिले में इस वर्ष प्रशिक्षण कृषि उद्यमी स्वावलम्बन योजना के तहत आठ एग्रीजंक्शन संचालित किए जाएंगे। उप कृषि निदेशक विनय कुमार कोशल ने बताया कि योजना के तहत कृषि स्नातक, कृषि व्यवसाय प्रबंध स्नातक, कृषि एवं सहकार्य विषयों से स्नातक, केंद्र व राज्य विश्वविद्यालय या किसी अन्य विश्वविद्यालय की आईसीआर/यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त पात्र 30ई मई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त अनुभव प्राप्त डिप्लोमा धारक, कृषि विषय में इंटरमीडिएट प्रार्थी पर भी विचार किया जाएगा। पुरुष की आयु 40 वर्ष व महिलाओं को पांच वर्ष की छूट दी जाएगी। एग्रीजंक्शन में एक प्रतिष्ठान के नीचे खाद, बीज व कीटनाशक बिक्री की जाती है।

खरीदें 10 वर्ष से ज्यादा पुराने धान व अन्य बीज

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि विभाग खरीफ फसल के लिए धान व अन्य फसलों के 10 से 15 वर्ष पुरानी प्रजाति के बीज उपलब्ध कराएगा। सरकार को लक्ष्य आर्वाटित कर दिया है। प्रमाणिक बीजों की खरीद पर 50 फीसद अनुदान भी मिलेगा। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया कि 10 वर्ष से कम और 10 वर्ष से अधिक अवधि की प्रजाति का मोटा धान 4864, महीन धान 4893, बासमती धान 6346, उर्द 13216, मूंग 14502 व अरहर अल्पावधि का बीज 13421 रुपये प्रति विबंटल की दर पर मिलेगा। इसी तरह 15 वर्ष की अवधि तक की प्रजाति का तिल 18041 और देवा टीएल 15500 रुपये प्रति विबंटल की दर पर बीज मिलेगा। इस पर किसानों को 50 फीसद अनुदान मिलेगा। बीज अधिकतम 2 हेक्टेयर की जoit तक सीमा तक दिया जाएगा। खरीद के लिए आनलाइन बुकिंग चल रही है। आवंटन प्रथम कटऑफ 10 मई को लॉटरी से किया जाएगा। संपर्क कंट्रोल रूम के नंबर 9198938099 व जिला कृषि अधिकारी के सीयूजी नंबर 7839882167 पर कर सकते हैं।

मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी

अमृत विचार, सीतापुर : जिलाधिकारी राजगणपति आर. के निदेश पर औषधि और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने गुरुवार शाम शहर के मेडिकल स्टोरों व दवा एजेंसियों पर ताबडतोड़ छापेमारी की। औषधि निरीक्षण अनीता कुरील के नेतृत्व में टीम ने ग्रीकगंज इलाके में स्थित कई प्रतिष्ठानों की जांच की।

घरेलू कलह में अधिवक्ता ने गोली मारकर दी जान

अधिवक्ता के परिवार में पत्नी, बूढ़ी मां और दो बहनें, पुलिस ने कमरा बंद किया,फील्ड यूनिट आने पर की जाएगी छानबीन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: अलीगंज सेक्टर-जी में गुरुवार देर रात घरेलू कलह के दौरान अधिवक्ता ने कनपटी पर पिस्तौल सटाकर खुद को गोली मार ली। परिजन ने पड़ोसियों की मदद से घायल को ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही अलीगंज पुलिस मौके पर पहुंची। इंस्पेक्टर ध्रुव कुमार ने बताया कि परिवार में सिर्फ महिलाएं हैं, जो बात करने की स्थिति में नहीं हैं। कमरा बंद करा दिया गया है। फील्ड यूनिट के

आने के बाद कमरे में छानबीन की जाएगी।

सेक्टर-जी निवासी शैलेंद्र प्रताप सिंह अधिवक्ता थे। उनके पिता तेगचन्द्र यादव (40) हाईकोर्ट अधिवक्ता थे। कुछ समय पहले उनका निधन हो गया था। परिवार में पत्नी, बूढ़ी मां और दो बहनें हैं। इंस्पेक्टर अलीगंज ध्रुव कुमार ने बताया कि गुरुवार रात घरवालों के बीच किसी बात पर कहासुनी हुई। इसी दौरान गुस्से में शैलेंद्र ने कमरे में जाकर पिस्तौल कनपटी पर रखकर खुद को गोली मार ली।

आवाज सुनकर परिजन दौड़े तो

शैलेंद्र खून से लथपथ पड़े थे। शोर सुनकर पड़ोसी भी आ गए। इसी बीच बहन शालिनी सिंह ने डॉयल-112 पर सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले दूसरी बहन निक्की ने पड़ोसी की मदद से घायल भाई को एंबुलेंस से ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इंस्पेक्टर का कहना है कि कमरा बंद कर दिया गया है। असलहा कौन सा इस्तेमाल हुआ है? यह अभी साफ नहीं है। परिवारवाले बात करने की स्थिति में नहीं हैं। घरवालों की हालत सामान्य होने पर बात कर जानकारी की जाएगी।

नशे में घर पहुंचा युवक, फंदा लगाकर की आत्महत्या

■ अमृत विचार, लखनऊ : आशियाना के किला मोहम्मदी इलाके में बुधवार रात एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव कमरे में लटका मिला। घरवालों ने दरवाजा तोड़कर युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है। किला मोहम्मदी निवासी प्रेमनाथ अवरथी का बेटा योगेश (30) प्राइवेट नौकरी करता था। बड़े भाई आशुतोष ने बताया कि योगेश शराब पीने का आदी था। वह बुधवार रात करीब आठ बजे शराब पीकर घर आया और अपने कमरे में चला गया। करीब आधे घंटे बाद जब परिजन योगेश को खाना खाने के लिए बुलाने गए तो कमरा अंदर से बंद था। घरवालों ने आवाजें लगाईं, दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। परिवारवालों ने दरवाजा तोड़ा। भीतर गए तो योगेश को पंखे में बंधे गमछे के सहारे लटका देखा। परिजन ने आनन-फानन में फंदे से उतारकर योगेश को लोकब्यू अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने योगेश को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजन ने पुलिस को बताया कि योगेश नशे का लती था। करीब दस दिन पहले भी नशे की हालत में योगेश मकान की छत से कूद गया था। जिसके चलते उसके चोट आई थी। इंस्पेक्टर छत्रपाल सिंह ने बताया कि योगेश किस बात से तनाव में था। यह साफ नहीं है।



इंदिरा भवन में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के नेतृत्व में धरने पर बैठे किसान।

कार से 3.50 लाख रुपये व जेवर से भरा बैग उड़ाने वाले दो गिरफ्तार

संवाददाता, बख्शी का तालाब

अमृत विचार: थाना क्षेत्र स्थित बाजार में रेकी कर खड़ी कार का शीशा तोड़कर 3.50 लाख रुपये व लाखों के जेवर से भरा बैग उड़ाने वाले दो आरोपियों को बीकेटी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 1.34 लाख रुपये, जेवर, आईफोन समेत तीन मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस वारदात में शामिल तीसरे आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।

इंस्पेक्टर संजय कुमार सिंह ने बताया कि रैथा गांव निवासी सोनू निषाद 5 मई को परिवार के साथ कार से बीकेटी बाजार शादी की खरीदारी करने आए थे। खरीदारी के दौरान उन्होंने कार सड़क किनारे खड़ी कर दी। इसी बीच बदमाशों ने कार का शीशा तोड़कर अंदर रखा बैग पार कर दिया। बैग में 3.50 लाख रुपये और लाखों रुपये के जेवर रखे थे। पीड़ित की तहरीर पर बीकेटी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो तीन संदिग्ध कैद मिले।

इसके बाद पुलिस ने पूरे रूट के करीब 100 से अधिक कैमरों

●बीकेटी बाजार में शादी की खरीदारी करने आए परिवार को बनाया था निशाना

मशीन चुराई, लौटाने आया तो पकड़ा गया

■ अमृत विचार, महमूदाबाद : महमूदाबाद में हेरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने दुकान से रोटरी वेंटर मिट्टी बराबर करने वाला यंत्र चुराया और पीछे एक भावुक पत्र छोड़ गया। हालांकि, मशीन काम की न निकलने पर जब वह उसे वापस करने पहुंचा, तो ग्रामीणों ने उसे दबोच लिया। आरोपी सुयश पटेल निवासी लबरहा अपने एक साथी के साथ दुकान से रोटवेंटर समझकर रोटरी वेंटर उठा ले गया था। मौके पर मिले पत्र में उसने लिखा था, बुरे हालात और दोस्तों की मजबूरी के कारण यह कदम उठा रहा हूं, तीन साल में पैसे वापस कर दूंगा।

को चेक किया। जानकारी मिलने के बाद उपनिरीक्षक प्रतीक कुमार शर्मा, अशोक कुमार यादव, अजय वर्मा और शैलेंद्र कुमार मिश्रा की टीम ने गुरुवार को बीकामऊ कला अंडरपास किसान पथ सर्विस लेन के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों ने अपना नाम शिवा रावत निवासी धर्तिगिरा और लोधमऊ निवासी अजीत निषाद बताया। पूछताछ में आरोपियों ने तीसरे साथी दीपक रावत के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की।

गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने 1,34,400 रुपये, लेडीज

●1.34 लाख रुपये, जेवर, आईफोन समेत तीन मोबाइल फोन किए गए बरामद

पर्स, पायल, बिछुआ, बच्चों के चांदी के कड़े, सोने का लॉकेट, नथूनी, कान की बालियां, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन और एक आईफोन बरामद किया। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी शिवा व अजीत पर कई मामले दर्ज हैं। दोनों पूर्व में जेल जा चुके हैं। इंस्पेक्टर ने बताया कि गिरोह बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में खड़ी गाड़ियों को निशाना बनाता था। आरोपी पहले काफी देर तक इलाके में घूमकर रेकी करते थे और मौका मिलते ही कार का लॉक

मिशन शक्ति, पिक बूथ, पिक पीआरवी का नहीं दिखा असर

महिला अपराध में जयपुर व दिल्ली के बाद लखनऊ तीसरे स्थान पर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ।

अमृत विचार: महिला अपराध रोकने और उनकी सुरक्षा में लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस ने कोई खास नहीं किया है। हालात यह है कि महिला अपराध के मामले में पूरे देश में तीसरे स्थान पर रहा। यह स्थान नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वर्ष 2024 की रिपोर्ट में है। इस रिपोर्ट में जयपुर व दिल्ली के बाद लखनऊ का नाम दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक जयपुर 199 प्रतिशत के साथ पहले, दिल्ली 176 प्रतिशत के साथ दूसरे और लखनऊ 186 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। हालांकि राहत की बात यह है कि वर्ष 2023 की तुलना में मामलों में

कुछ कमी दर्ज की गई है। राजधानी में मिशन शक्ति, पिक बूथ, पिक पीआरवी जैसी योजनाओं का असर भी नहीं दिखा है। उत्तर प्रदेश के तीन प्रमुख मेट्रो शहरों लखनऊ, कानपुर और गाजियाबाद में सबसे ज्यादा महिला अपराध लखनऊ में दर्ज किए गए हैं। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में लखनऊ में 2571 मामले दर्ज हुए। वहीं, कानपुर में 1950 और गाजियाबाद में 1265 केस सामने आए। इन मामलों में पुलिस की कार्रवाई भी सवालों के घेरे में है, क्योंकि महज 83 प्रतिशत मामलों ही चार्जशीट दाखिल हो सकी है। बड़ी संख्या में केस अब भी जांच और न्यायिक प्रक्रिया में लंबित हैं। जबकि महिला सुरक्षा के लिए प्रदेश



सरकार और पुलिस विभाग की तरफ से लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। मिशन शक्ति के तहत स्कूल-कालेजों और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। इसके अलावा वीमेन हेल्पलाइन 1090, पिक पेट्रोलिंग, पिक बूथ, पिक स्कूटी और एंटी रोमियो स्क्वाड जैसी योजनाएं भी संचालित हैं। पुलिस दावा करती है

कि इन अभियानों से महिलाओं में जागरूकता बढ़ी है और शिकायत दर्ज कराने की प्रवृत्ति मजबूत हुई है। इसके बावजूद राजधानी में छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, दुष्कर्म, साइबर उत्पीड़न और पीछा करने जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारी ने बताया कि बढ़ती आवादी, तेजी से फैलता शहरीकरण

और इंटरनेट आधारित अपराधों ने महिलाओं की सुरक्षा को नई चुनौती दी है। वहीं कई मामलों में पुलिस की शुरुआती कार्रवाई और संवेदनशीलता पर भी सवाल उठते रहे हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट ने यह साफ कर दिया है कि राजधानी में महिला सुरक्षा अभी भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। प्रशासन की तरफ से केवल योजनाएं शुरू कर देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका प्रभाव जमीन पर दिखना चाहिए। महिलाओं को त्वरित न्याय, सुरक्षित सार्वजनिक परिवेश और संवेदनशील पुलिसिंग की जरूरत है। खासकर रात के समय बाजारों और सुनसान इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग लगातार उठ रही है।

वर्ष 2024 के प्रमुख अपराध

- 12 जनवरी 2024 : गोमतीनगर में नौकरी दिलाने के बहाने युवती से दुष्कर्म किया।
- 18 मार्च 2024 : इंदिरानगर क्षेत्र में कालेज छात्रा का पीछा करने और विरोध पर हमला कर दिया गया।
- 27 जुलाई 2024 : चिनहट में महिला से चैन टूट के दौरान बदसलूकी और मारपीट की घटना।
- 9 नवंबर 2024 : पीजीआई में साइबर टगों ने महिला को डिजिटल ब्लैकमेल कर लाखों रुपये ठग लिए।

टुल्लू में उतरे करंट से वृद्धा की मौत

अमृत विचार,निगोहा: थाना क्षेत्र के बाबू खेड़ा गांव में गुरुवार दोपहर बाथरूम में नहाने गई वृद्धा टुल्लू पंप में उतरे करंट की चपेट में आ गईं। हादसे में महिला की मौत हो गयी। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बाबूखेड़ा निवासी रामू ने बताया कि मां फूलमती (60) गुरुवार दोपहर बाथरूम में नहाने गई थीं। इसी दौरान फूलमती वहां लगे टुल्लू पंप में अचानक उतरे करंट की चपेट में आ गईं। घर की महिलाओं ने जब उन्हें फर्श पर तड़पते देखा तो शोर मचाया। परिजन ने किसी तरह बिजली का कनेक्शन बंद कर उन्हें बाहर निकाल कर सीएचसी पहुंचाया।

चकबंदी विभाग के खिलाफ किसानों ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: चकबंदी विभाग पर मनमानी, भ्रष्टाचार और किसानों के उत्पीड़न का आरोप लगाकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के नेतृत्व में कई जिलों के किसानों ने गुरुवार को इंदिरा भवन में धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद अधिकारियों ने यूनियन पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

प्रदेश अध्यक्ष चौधरी हरनाम सिंह वर्मा की अगुवाई में चकबंदी आयोग के सभागार में दो घंटे तक बैठक चली। इसमें मंडल अध्यक्ष आगरा राजकुमार तोमर, प्रयागराज मंडल अध्यक्ष बबलू दुबे व अन्य ने किसानों की समस्याओं को उठाया। चकबंदी विभाग ने किसानों की कई मांगों पर लिखित आश्वासन दिया। इसमें हरदोई में धारा 6(1) के प्रकाशन पर

- लिखित आश्वासन के बाद आंदोलन समाप्त
- कार्रवाई न होने पर फिर आंदोलन की चेतावनी

कार्रवाई, प्रयागराज में कब्जा और चकबंदी विवादों की जांच, महोबा में शिकायतों की जांच के लिए समिति गठन तथा बांदा में लंबित मामलों के निस्तारण के निर्देश शामिल हैं।

आंदोलन के दौरान किसानों ने 4 जून तक धरना जारी रखने और 5 जून को प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी भी दी थी। हालांकि प्रशासन की ओर से लिखित आश्वासन मिलने के बाद किसानों ने शाम करीब 4 बजे धरना समाप्त कर दिया। किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि समयबद्ध कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन दोबारा और अधिक उग्र रूप में शुरू किया जाएगा।

बेकाबू बाइक डिवाइडर से टकराई, छात्र की मौत

अधिक रफ्तार में ब्रेक लगाने से हुआ हादसा, हेलमेट पहने होता तो बच सकती थी जान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: गोमतीनगर विस्तार स्थित जी-20 रोड पर गुरुवार सुबह बेकाबू बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर और खंभे से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक काफी दूर तक घिसटती हुई चली गयी और छात्र खून से लथपथ होकर सड़क पर गिर पड़ा। राहगीरों की मदद से पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया।

मूल रूप से अयोध्या निवासी सुजीत रावत ठेकेदार हैं। परिवार में पत्नी इंद्रवती और एक बेटी है। बेटे प्रियांशु रावत उर्फ अंशु (20) ने इसी वर्ष इंटर की परीक्षा पास की थी। प्रियांशु की आंख में दिक्कत थी। आंख दिखाने के लिए वह अपने चाचा सुनील के घर गोमतीनगर विस्तार स्थित सरस्वती अपार्टमेंट आया था। गुरुवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह किसी काम से पल्सर बाइक से निकला था। जी-20 रोड पर बैराज के पास अचानक उसने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी।

कुछ दूर बाद प्रियांशु ने ब्रेक लगाया, जिससे बाइक फिसल गई। तेज रफ्तार होने के कारण प्रियांशु सड़क के बीच बने डिवाइडर और

अलग-अलग सड़क हादसों में वृद्धा समेत दो की मौत

■ अमृत विचार,काकोरी/बख्शी का तालाब : काकोरी थाना क्षेत्र में बाजार से घर लौट रही बुजुर्ग महिला को किसान पथ पर अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। हादसे में वृद्धा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। इटौंजा में बुधवार देर रात शादी समारोह से लौट रहे ढाबा कर्मी की सड़क हादसे में मौत हो गई। मोहदीनपुर गांव काकोरी निवासी मुन्नी देवी (75) गुरुवार शाम को काकोरी बाजार गई थीं। बाजार से वापस लौटते समय मोहदीनपुर गांव के पास किसान पथ पर अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में मुन्नी की मौके पर ही मौत हो गयी। राहगीरों ने डॉयल-112 पर सूचना दी। जानकारी मिलते ही काकोरी पुलिस मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि मुन्नी के सिर्फ एक बेटा बाबु है। दूसरे बेटे राजू की पूर्व में मौत हो चुकी है। इंस्पेक्टर काकोरी सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। वहीं, मूल रूप से हरदोई के अतरौली स्थित सिक्करपुर निवासी राजेश सिंह (46) इटौंजा क्षेत्र के एक ढाबा में काम करता था। बुधवार शाम वह नेवाड़ा गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। देर रात करीब साढ़े ग्यारह बजे वह वापस लौट रहे थे। रास्ते इटौंजा थाना क्षेत्र की सीमा के पास यादव होटल के निकट सड़क पार करते समय अज्ञात वाहन ने राजेश को टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को पहले निजी अस्पताल और फिर बीकेटी स्थित रामसागर मिश्र संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया। वहां उपचार के दौरान राजेश की मौत हो गई। इंस्पेक्टर सोबरन सिंह ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

खंभे से जा टकराया। सिर में गंभीर चोट लगने से वह लहलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल प्रियांशु को राम मनोहर लोहिया संस्थान पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने जीस की जेब में मिले मोबाइल से परिजन को सूचना दी। खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक सवार युवक ने हेलमेट नहीं लगाया था। अगर वह हेलमेट पहने होता तो उसकी जान बच सकती थी। छात्र पल्सर बाइक को काफी स्पीड में दौड़ा रहा था।

चाची-भतीजे की सड़क हादसे में मौत

अमृत विचार, सीतापुर : बिसवां-महमूदाबाद मार्ग पर दोपहर सड़क हादसे में बाइक सवार चाची-भतीजे की मौत हो गई। तेज रफ्तार अज्ञात वाहन बाइक को टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम लौना निवासी 19 वर्षीय विशाल पांडे अपनी 60 वर्षीय चाची ज्ञान देवी को बाइक से लेकर महमूदाबाद बाजार जा रहा था। जैसे ही उनकी बाइक बजाज एजेंसी के पास पहुंची, तभी एक अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से दोनों घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

प्रीपेड मीटरों को बदला जा रहा पोस्टपेड में

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने गुरुवार को बताया कि अब प्रदेश में लगाए गए सभी स्मार्ट मीटर पोस्टपेड मोड में संचालित किए जाएंगे। इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं और आरडीएसएस योजना के तहत लगे स्मार्ट मीटरों को तत्काल प्रभाव से पोस्टपेड मोड में परिवर्तित किया जा रहा है।

ऊर्जा मंत्री ने बताया कि पूर्वांचल, मध्यांचल, दक्षिणांचल, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगमों से बिल जारी किया जाएगा। साथ ही जिन उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर सिस्टम में अपडेट नहीं हैं, वे व्हाट्सएप चैटबॉट और 1912

●ऊर्जा मंत्री ने कहा- प्रदेश में लगाए गए सभी स्मार्ट मीटर पोस्टपेड मोड में संचालित किए जाएंगे

जारी किया जाएगा। स्मार्ट पोस्टपेड बिल हर माह की 10 तारीख तक जारी होंगे और उपभोक्ताओं को एसएमएस व व्हाट्सएप के माध्यम से बिल उपलब्ध कराया जाएगा।

एके शर्मा ने बताया कि जिन क्षेत्रों में नेटवर्क या संचार संबंधी समस्या के कारण स्मार्ट मीटर की ऑटोमैटिक रीडिंग नहीं मिल पाएगी, वहां एजेंसियों के माध्यम से मैनुअल रीडिंग लेकर समय से बिल जारी किया जाएगा। साथ ही जिन उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर सिस्टम में अपडेट नहीं हैं, वे व्हाट्सएप चैटबॉट और 1912

व्हाट्सअप चैटबॉट से मिलेगा बिजली बिल

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए नई व्यवस्था लागू की है। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जिन उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर आरएमएस में अपडेट नहीं हैं अथवा तकनीकी कारणों से उन्हें बिजली बिल प्राप्त नहीं हो पा रहा है, वे अब व्हाट्सअप चैटबॉट के माध्यम से अपना बिल प्राप्त कर सकेंगे।

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड : 91 8010968292
मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड : 91 7669003409
पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड : 91 7859804803
दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड : 91 8010957826
कानपुर विद्युत आपूर्ति कंपनी लिमिटेड : 91 8287835233

हेल्पलाइन के माध्यम से भी अपना बिजली बिल प्राप्त कर सकेंगे। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अब प्रदेश में सभी नए बिजली कनेक्शन स्मार्ट पोस्टपेड मोड में ही जारी किए जाएंगे। पूर्व में प्री-पेड व्यवस्था के

दौरान समायोजित की गई सुरक्षा धनराशि को विद्युत प्रदाय संहिता-2005 एवं कॉस्ट डाटा बुक-2026 के अनुसार चार समान मासिक किस्तों में उपभोक्ताओं के बिल में जोड़ा जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

सुभासपा ने घोषित

किए नए पदाधिकारी

अमृत विचार, लखनऊ : सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को नव-नियुक्त पदाधिकारियों की सूची जारी की। पार्टी के लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय से जारी सूची में विभिन्न पदों पर नेताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पार्टी कार्यालय द्वारा जारी सूची के अनुसार, सहाय्युद्घिन अंसारी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं बीनी सुनीता राजगार को राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव महिला मंच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा सीपी निषाद को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा मंच तथा कनकान अहमद को संगठनात्मक दायित्व दिया गया है। पार्टी ने प्रदेश स्तर पर जायेद आतम, बलराज प्रजापति, संचांग सिंह, सत्येन्द्र प्रताप सिंह (हिन्दू सिंह), दीपक बौहान (बबीक) तथा शत्रुघ्न पाठक को अलग-अलग संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी हैं। वहीं राजेन्द्र सिंह राठौर को भी प्रदेश स्तर पर दायित्व प्रदान किया गया है।

केजीबीवी में मानसिक

स्वास्थ्य पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में पढ़ने वाली छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर बेसिक शिक्षा विभाग ने नई पहल शुरू की है। अब प्रदेश के सभी 746 कस्तूरबा विद्यालयों में छात्राओं और स्टाफ के लिए ऑनलाइन मनोवैज्ञानिक सत्र आयोजित किए जाएंगे। समग्र शिक्षा अभियान के तहत शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य किशोरावस्था की छात्राओं को मानसिक रूप से मजबूत बनाना, आत्मविश्वास बढ़ाना और तनाव, व्यवहारिक समस्याओं व भावनात्मक चुनौतियों से निपटने में सहायता देना है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय की ओर से इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। ऑनलाइन सत्रों का संचालन लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल में कार्यरत मनोवैज्ञानिक एवं परामर्शदाता डॉ. पीके श्रीवास्तव करेंगे।

तालाब में डूब कर

युवक की मौत

अमृत विचार, उन्नाव : पुरवा कोतवाली क्षेत्र के जगीरगंज मोहल्ला निवासी अमर सिंह उर्फ टिन्नी (27) गुरुवार शाम 3 बजे वृद्ध पुरवा- वसियानी मार्ग पर तोपखाना मोहल्ला स्थित तालाब में मछलियां निकालने गया था। मछलियों की तलाश में वह गहरे पानी में जाकर डूबने लगा। उसे दृष्टे देख आसपास मौजूद लोगों ने पानी में छलांग लगाकर उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं हुए। सूचना पर पहुंचे परिजन लोगों की मदद से उसे बाहर निकाल कर सीपवसी लाए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आंकड़ों में घटी अपराध की दर

एनसीआरबी क्राइम इन इंडिया-2024 की रिपोर्ट में यूपी को मिली महत्वपूर्ण उपलब्धि



राज्य ब्यूरो, लखनऊ

●हत्या, डकैती, बलात्कार सहित कई अपराधों में प्रदेश में आई बड़ी गिरावट

देश के सापेक्ष यूपी की स्थिति

अपराध	भारत	यूपी
हत्या	27049	3218
हत्या के प्रयास	58844	3728
शीलभंग	48303	4418
अपहरण	704	26
बलात्कार	29536	3209
बलवा	30348	2610
लूट	23145	1163
डकैती	2393	57
पॉस्को	69191	8087

आधार ‘क्राइम रेट’ है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय क्राइम रेट 252.3 के

अन्य राज्यों से बेहतर स्थिति में

अमृत विचार : हत्या जैसे अपराध में झारखंड, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल के बाद यूपी का स्थान आता है। झारखंड हत्या दर 3.7 फीसदी है तो यूपी में 1.3 फीसदी। बलात्कार के मामले में जहां चंडीगढ़ 16.6 फीसदी, राजस्थान 12.3, दिल्ली 10.3 है, वहीं यूपी 2.8 फीसदी पर रुका है। पॉक्सो एक्ट में केरल 48 फीसदी, सिक्किम 36.7, दिल्ली 28.0 है, वहीं यूपी में यह दर घटकर 9.5 फीसदी पर आकर रुकी है। शीलभंग के मामले में उड़ीसा, राजस्थान, जम्मू कश्मीर, कर्नाटक, केरल और तेलंगाना से बेहतर यूपी है। जहां उड़ीसा में 31 फीसदी है, वहीं यूपी में शीलभंग की दर 3.9 फीसदी है। बलवा में मणिपुर, महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, केरल को पछाड़ते हुए यूपी में सबसे कम दर 1.1 फीसदी है, जबकि मणिपुर में यह दर 8.4 फीसदी है। अपहरण जैसे मामले में यूपी की दर 4.9 फीसदी है, जबकि उड़ीसा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र आदि प्रदेश दहाई से ऊपर है। महिला अपहरण मामले में दिल्ली की दर 38.8 फीसदी तो यूपी की दर 8.4 फीसदी है। छेड़छाड़ी जैसे मामलों में एमपी की दर 22.4 है तो यूपी की दर 0.5 है। महिला उपीड़न में जहां तेलंगाना, दिल्ली 50 फीसदी से ऊपर निकल गए वहीं यूपी की दर 18.6 है।

मुकाबले यूपी का क्राइम रेट 180.2 की ‘जीरो टॉलरेंस’ नीति के प्रभावी क्रियान्वयन को दर्शाता है।

नवंबर तक पूरी हों पर्यटन की परियोजनाएं : जयवीर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश की सभी निर्माणाधीन पर्यटन परियोजनाओं को नवंबर 2026 तक हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि नई परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया पूरी कर 20 मई तक स्वीकृत पत्र जारी किए जाएं।

पर्यटन मंत्री, पर्यटन भवन में गुरुवार को पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि फाइलों को “लटकाने और भटकाने” की संस्कृति अब बर्दाश्त नहीं की

जाएगी। लापरवाही और गलत जानकारी देने वाले अधिकारियों तथा संस्थाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जयवीर सिंह ने कहा कि मुख्यालय से अधिकारी फोटोग्राफर के साथ निर्माण स्थलों का निरीक्षण करेंगे और कार्यों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। विभागीय अधिकारियों से कहा कि पत्राचार के बजाय जमीन पर काम दिखाई देना चाहिए। मंत्री ने आगरा और मथुरा में प्रस्तावित हेलीपोर्ट परियोजनाओं को शीघ्र क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वदेश दर्शन योजना के तहत नैमिषारण्य में प्रस्तावित कार्यों को भी शुरू करने को कहा।

सुपरवाइजर पर पलटा हाइड्रा, दबकर हुई मौत

संवाददाता, हरदोई

●कोल्ड ड्रिंक फैक्ट्री में हादसे के बाद मची भगदड़

अमृत विचार: कोल्ड ड्रिंक फैक्ट्री में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। स्टील बेल्ट कंपनी का सुपरवाइजर फैक्ट्री में जरूरी काम निपटा रहा था, तभी करीब 10 टन वजन की हाइड्रा अचानक पलटकर उसके ऊपर गिर गई। हादसे में वह नीचे दब गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद फैक्ट्री में अफरा-तफरी मच गई, जबकि जिम्मेदार लोग मौके से फरार हो गए।

बताया गया है कि अतरौली थाना

क्षेत्र के छानव गांव के पास स्थित फैक्ट्री में यह हादसा हुआ। मृतक की पहचान 28 वर्षीय शिवम गौतम पुत्रु जगजीवन गौतम निवासी करौनी थाना टिकैतनगर, जनपद बाराबंकी के रूप में हुई है। वह टाई रॉड से संबंधित कार्य के सिलसिले में फैक्ट्री आया था। उसी दौरान पाइपलाइन का करीब 200 कुंतल वजनी ब्रिज हाइड्रा से उठाया जा रहा था, तभी मशीन असंतुलित होकर पलट गई और शिवम



फैक्ट्री में पलटा हाइड्रा और शिवम की फाइल फोटो (इनसेट में)।

उसके नीचे दब गया। हादसे के बाद चालक व अन्य कर्मचारी मौके से भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने

क्रेन की मदद से हाइड्रा हटवाकर शव को बाहर निकाला। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

‘कोड ऑन वेज’ से चार श्रेणियों में बंटेंगे मजदूर प्रदेश में लागू होंगी नई श्रम संहिताएं, कौशल के आधार पर तय होगी न्यूनतम मजदूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में श्रमिकों की मजदूरी और अधिकारों को लेकर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। केंद्र की नई श्रम संहिताओं के तहत लागू होने जा रहे ‘कोड ऑन वेज’ में अब मजदूरों को तीन की जगह चार श्रेणियों में बांटा जाएगा। नई व्यवस्था में अकुशल, अर्ध-कुशल, कुशल और अत्यधिक कुशल श्रमिकों के लिए अलग-अलग न्यूनतम मजदूरी तय होगी।

गुरुवार को प्रमुख सचिव श्रम डॉ. एमकेएस सुंदरम की अध्यक्षता में हुई बैठक में उत्तर प्रदेश सामाजिक सुरक्षा संहिता, मजदूरी संहिता

●डिजिटल वेतन पर्वी और मास्टर रजिस्टर अनिवार्य, कुशल श्रमिकों का वेतन बढ़ने के आसार

और औद्योगिक संबंध संहिता की नियमावलियों पर प्राप्त सुझावों और आपत्तियों पर चर्चा की गई। शासन ने समितियों को संशोधित प्रारूप मंगलवार तक सौंपने के निर्देश दिए हैं, जिसके बाद नियमावली को कैबिनेट में लाया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत हेल्पर और सफाई कर्मचारी अकुशल श्रेणी में रहेंगे, जबकि सीमित प्रशिक्षण वाले कर्मचारी अर्ध-कुशल माने जाएंगे। इलेक्ट्रीशियन, प्लंबर और ड्राइवर जैसे तकनीकी दक्ष कर्मचारी कुशल



श्रेणी में होंगे। इंजीनियर, फोरमैन और विशेषज्ञ मैकेनिक को अत्यधिक कुशल वर्ग में रखा जाएगा। प्रदेश में फिलहाल तीन श्रेणियों के आधार पर मजदूरी तय होती है। वर्तमान में अकुशल श्रमिकों की न्यूनतम मजदूरी 12,356 से 13,690 रुपये, अर्ध-कुशल की 13,590 से 15,059 रुपये और कुशल श्रमिकों की 15,224 से 16,868 रुपये प्रतिमाह है। प्रस्तावित व्यवस्था में अत्यधिक कुशल श्रमिकों

कौशल विकास पर गंभीरता से करें काम

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि महाविद्यालयों को नैक और राष्ट्रीय रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना होगा। इसके लिए उन्होंने शिक्षकों से समयबद्ध शिक्षण और विद्यार्थियों को कौशल आधारित गतिविधियों से जोड़ने का आह्वान किया। राज्यपाल गुरुवार को जन भवन में महाराजा सुहेल देव विश्वविद्यालय, आजमगढ़ से संबद्ध शासकीय एवं वित्तपोषित महाविद्यालयों के प्राचार्यों के साथ समीक्षा बैठक कर रही थीं। उन्होंने कहा कि छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तकनीकी एवं कौशल विकास आधारित पाठ्यक्रम बढ़ाए जाएं। साथ ही कुकिंग, सिलाई-कढ़ाई, योग, संगीत और अन्य रचनात्मक गतिविधियों को भी बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

हाईकोर्ट ने एजेंसियों को 12 मई तक दिया समय

अमृत विचार, लखनऊ: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कांग्रेस सांसद व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की कथित आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग वाली याचिका पर निर्देश प्राप्त कर जवाब देने के लिए 12 मई तक का समय दिया है।

मामले की सुनवाई जजों के चैंबर में की गई तथा सुनवाई के बाद पूरी केस फाइल को सील करके सीनियर रजिस्ट्रार की कस्टडी में देने का आदेश न्यायालय ने दिया है। कोर्ट ने कहा है कि 12 मई को अगली सुनवाई होगी तथा उसी दिन केस फाइल की सील खोली जाएगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति जफीर अहमद की खंडपीठ ने कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विनेश शिशिर की ओर से दाखिल याचिका पर दिया। याची ने राहुल

● राहुल गांधी मामले में सतर्कता बरतते हुए सील कराई केस की फाइल

गांधी पर अज्ञात स्रोतों से भारी संपत्ति अर्जित करने के आरोप लगाए हैं। याचिका में केंद्र सरकार, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), सीबीडीटी, यूपी पुलिस और सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस, नई दिल्ली को पक्षकार बनाया गया है। न्यायालय ने आदेश में कहा गया है कि याची द्वारा विस्तृत बहस की गई, जिसके बाद प्रतिवादियों की ओर से पेश अधिवक्ताओं ने लिखित निर्देश प्राप्त करने के लिए समय मांगा। जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया। सुनवाई शुरू होने पर याची ने प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें वर्तमान रिट याचिका के अभिलेखों को सुरक्षित रखने का अनुरोध किया गया था।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में यूपी ने लगाई बड़ी छलांग: पाठक ‘यूपी एनर्जी एक्सपो’ का उप मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन, 200 से अधिक कंपनियां ले रहीं हिस्सा



इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित ‘यूपी एनर्जी एक्सपो’ में एक स्टाल पर उत्पाद देखते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

52 हजार से अधिक सोलर संयंत्र स्थापित कर दिया। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा डॉ. आशीष कुमार गोयल ने कहा कि अगले दस वर्षों में

एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को 191 करोड़ जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने एक्सप्रेसवे आधारित विकास को गति देते हुए चार बड़ी परियोजनाओं के लिए करीब 191 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की है। इसके तहत पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर जनसुविधा परिसरों का निर्माण तथा फिरोजाबाद में औद्योगिक कॉरिडोर विकसित किया जाएगा।

औद्योगिक विकास विभाग के अनुसार, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बाराबंकी, अमेठी और सुल्तानपुर में चार जनसुविधा परिसरों के लिए 133.48 करोड़ रुपये की परियोजना मंजूर कर 46.72 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। वहीं आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर में चार अन्य परिसरों के लिए 136.92 करोड़ रुपये की परियोजना के तहत 47.92 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसी तरह बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे

●पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर जनसुविधा परिसरों का होगा निर्माण और फिरोजाबाद में औद्योगिक कॉरिडोर विकसित किया जाएगा

में चार जनसुविधा परिसरों के लिए 133.48 करोड़ रुपये की परियोजना मंजूर कर 46.72 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। वहीं आजमगढ़, मऊ और गाजीपुर में चार अन्य परिसरों के लिए 136.92 करोड़ रुपये की परियोजना के तहत 47.92 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसी तरह बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे

पर बांदा, हमीरपुर और जालौन में चार परिसरों के विकास हेतु 129.07 करोड़ रुपये की परियोजना को मंजूरी देते हुए 45.17 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इन परिसरों में मोटल, फूड कोर्ट, ट्रकर फैसिलिटी समेत आधुनिक सुविधाएं विकसित होंगी। इसके अलावा फिरोजाबाद में औद्योगिक कॉरिडोर के लिए 146.88 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत कर प्रथम चरण में 51.41 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। सरकार का उद्देश्य एक्सप्रेसवे किनारे निवेश और रोजगार को बढ़ावा देना है।

रेलवे कर्मचारियों को मिला संरक्षा का प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार, लखनऊ : पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में संरक्षा जागरूकता बढ़ाने के लिए गोंडा स्टेशन और कू लॉबी में शॉटिंग मेला अभियान व संरक्षा सेमिनार आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन और वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी डॉ. शिल्पी कन्नौजिया के नेतृत्व में हुआ। अभियान के तहत रेल कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य संस्कृति अपनाने और संरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। गोंडा स्थित विस्तृत कू लॉबी में करीब 50 लोको पायलट, सहायक लोको पायलट



संरक्षा जागरूकता अभियान के तहत विशेष संरक्षा काउंसिलिंग के दौरान मौजूद रेलवे कर्मचारी व अधिकारी।

और शंटरो को सुरक्षित शॉटिंग कार्य की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्हें सिमनलों के सही अनुपालन, रूट और व्हाईट्स की पुष्टि, बीपी प्रेशर सुनिश्चित करने तथा निर्धारित निर्देशों के पालन के प्रति जागरूक किया गया। इयूटी के दौरान मोबाइल

फोन के प्रयोग से बचने की सख्त हिदायत दी गई। वहीं संयुक्त कार्यालय में आयोजित संरक्षा सेमिनार में लगभग 70 कर्मचारियों ने भाग लिया, जहां मानव त्रुटियों को कम करने, प्रभावी संचार और सतर्कता के महत्व पर जोर दिया गया।

अधिकारियों ने कर्मचारियों को “पहले सोचें, फिर जांचें, उसके बाद कार्य करें और अंत में पुष्टि करें” के सिद्धांत पर काम करने की सलाह दी। अभियान के दौरान संरक्षा सम्पलेट वितरित कर सभी से जिम्मेदारी और सजगता के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● जांच में खुली पोल, नोटिस का जवाब न देने पर कार्रवाई



की जाने वाली आवासीय और व्यावसायिक इकाइयों का पंजीयन करारक ब्योरा रera की वेबसाइट पर अपलोड किया। परियोजनाओं का प्रचार-प्रसार किया, ताकि घर खरीदार भूखंड, फ्लैट, दुकान आदि खरीद सकें। रera ने पोर्टल पर दर्ज परियोजनाओं की जांच की तो 350

मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कराने परियोजनाएं

अमृत विचार : उप्र रera ने सभी नये पंजीकरणों/लाइव पंजीकरणों में एक विशिष्ट क्यूआर कोड उपलब्ध कराया है। ये क्यूआर कोड बिल्डरों को होस्टिंग, बैंक, सम्पलेट, सोशल साइट आदि प्रचार सामग्री पर प्रिंट कराना अनिवार्य है। इस क्यूआर कोड को उपभोक्ता अपने मोबाइल पर स्कैन करके बिल्डर व परियोजना का नाम, स्वीकृत मानचित्र, लोकेशन, भूमि की जानकारी, रera में पंजीयन, दाम समेत परियोजनाओं की पूरी विस्तृत जानकारी कर सकते हैं। इससे अपार्टमेंट, प्लॉट, रोहाउस, कॉलोनी, विला, दुकान, कॉम्प्लेक्स आदि खरीदते समय सही जानकारी से फर्जीवाड़े का शिकार नहीं होंगे।

के स्वीकृत मानचित्र नहीं मिले। परियोजनाएं जहां विकसित की जानी थी, उसके भूमि सम्बंधित दस्तावेज नहीं दिए गए। इस सम्बंध में बिल्डरों को बार-बार नोटिस भेजा गया। इसके बावजूद दस्तावेज की प्रतियां

उपलब्ध नहीं कराई हैं। इन बिल्डरों पर रera ने सख्त कदम उठाते हुए 350 परियोजनाओं को “स्थगित परियोजनाएं” श्रेणी में डाल दिया। तत्पश्चात रera और भावी आवंटियों को धोखाधड़ी से बचाया जा सके।

अयोध्या में तीन युवक सरयूनदी में डूबे

दोस्त का जन्मदिन मनाने के लिए बस्ती जिले से पांच लोग आए थे रामनगरी, जारी है तलाश

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : कोतवाली अयोध्या के लक्ष्मण घाट चौकी अंतर्गत सरयू नदी में गुरुवार सुबह करीब छह बजे स्नान कर रहे तीन युवक गहरे पानी में जाने से लापता हो गए। सूचना पर जल पुलिस, एसडीआरएफ व स्थानीय गोताखोरों की टीम ने रेस्क्यू शुरू किया, देर शाम समाचार लिखे जाने तक उनका पता नहीं चल सका। बस्ती जिले के पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के मंगल बाजार निवासी पांच दोस्त गुरुवार को एक दोस्त का जन्मदिन मनाने अयोध्या आए थे।

बस्ती शहर के मंगल बाजार निवासी किशन सोनी (20) का गुरुवार को जन्मदिन था। उसने अपने दोस्त अमित गुप्ता (19), राज गुप्ता (20), अभिषेक सोनी (20) व लकी (19) को अयोध्या चलने के लिए तैयार किया था। सभी गुरुवार भोर में ही किशन की कार से अयोध्या के लिए निकले, करीब छह बजे सरयू घाट पहुंचे। स्नान के लिए बने घाट की जगह सभी नदी की बीच धारा में सुनसान पड़े स्थान पर गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सबसे पहले अभिषेक, राज व अमित पानी में उतरे, किशन व राज बाहर ही थे। तीनों



सरयू नदी में रेस्क्यू करती जल पुलिस, एसडीआरएफ व गोताखोरों की टीम।

● अमृत विचार

थोड़ा आगे बढ़े ही थे अचानक गहरे पानी में चले गए व डूबने लगे। यह देख किशन व राज की पुकार सुन जल पुलिस के जवान व नावों में सवार नाविक व गोताखोर मौके पर पहुंचे। जल पुलिस के तीन जवानों के साथ करीब 10 गोताखोरों ने नदी में छलांग लगा दी लेकिन तब तक तीनों नजर से ओझल हो गए। सूचना पर एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी, अयोध्या कोतवाल पंकज सिंह मौके पर पहुंचे। जल पुलिस व एसडीआरएफ की मदद से रेस्क्यू शुरू कराया। करीब छह बोट के साथ दर्जनों जवान व करीब 20 गोताखोरों की टीम ने सरयू में रेस्क्यू किया

6 तीन युवक नदी में गहरे पानी में जाने से डूब गए हैं। इनकी तलाश के लिए जल पुलिस, एसडीआरएफ व स्थानीय गोताखोरों व नाविकों की टीम लगाई है। छह बोटों से तलाश की जा रही है, जगह-जगह जाल भी डाला जा रहा है। अभी तक किसी का पता नहीं चला है। तलाश जारी है।

–चक्रपाणि त्रिपाठी, एसपी सिटी।

लेकिन शाम छह बजे तक तीनों का पता नहीं चला। जल पुलिस प्रभारी रूबे प्रताप ने बताया कि करीब तीन किमी. तक तलाश की गई है। नदी में पानी कम है लेकिन नीचे प्रेशर ज्यादा है, संभावना है कि यह सभी बालू में फंस गए हैं या बहकर आगे निकल गए हैं।

3200 करोड़ के अवैध लेनदेन

का सरगना महफूज गिरफ्तार

कानपुर, अमृत विचार : 3200 करोड़ के अवैध लेनदेन में फरार 25 हजार के इनामी महफूज आलम उर्फ पप्पू छुरी को पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार जेल भेज दिया। महफूज व उसके करीबियों के 16 बैंकों में 68 बड़े खातों से इतनी बड़ी रकम का लेनदेन पुलिस जांच में सामने आया है। मास्टरमाइंड महफूज स्लाटर हाउस व स्कैप करोबार की ब्लैक मनी को अपने अकाउंट में लेकर कमीशन काटकर रकम वापस करता था। दर्जनों बोगस फर्म बनाकर जीएसटी की आईटीसी क्लेम से सरकार को करोड़ों का झटका दिया है। महफूज का नेटवर्क व टर्नओवर काफी बड़ा था। वह पांच करोड़ तक की रकम रोज डिलीवर करता था। सिर्फ इंटर तक पढ़ा महफूज करोड़ों के अवैध लेनदेन का मास्टरमाइंड है। श्यामनगर लूटकांड की जांच में पुलिस को उसके अवैध कारोबार का पता चला था। श्यामनगर में बीती 16 फरवरी को 25 लाख की लूट हुई थी।



पुलिस गिरफ्तार में इनामी महफूज आलम।

● 68 खातों से महफूज और उसके करीबियों का लेनदेन आया सामने

पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने खुलासा करते बताया कि लूटकांड में पीड़ित महफूज ने बताया कि उसके कर्मचारियों से आठ लाख की लूट हुई। फिर 40 लाख और उसके बाद लूट की जांच से घबरा कर बोला, लूट की वारदात नहीं हुई है। इस पर पुलिस को संदेह हुआ तो जांच-शुरू की। नतीजे देखकर दंग रह गए। महफूज व उसके परिवार के 16 बैंकों के 68 खातों से 1600 करोड़ का अवैध लेनदेन सामने आया। जांच में यह आंकड़ा 3200 करोड़ पहुंच गया।

कर्ज उतारने के लिए की थी

करोड़ों की चोरी, 5 गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : चन्दन निवासी सभी प्रयागराज व ट्रेडिंग व सट्टेबाजी में चढ़ा उधार उतारने को ठेकेदार के पड़ोसी ने अपने दोस्त संग करोड़ों की चोरी को अंजाम दिया था। एक सप्ताह बाद घटना का खुलासा कर पुलिस ने दोनों दोस्तों व तीन अन्य को दबोचा है।

गत एक मई को अजय कुमार सिंह निवासी बंगला संख्या सी-5 शालीमार पैराडाइज सफेदाबाद ने पुलिस को बताया कि 19 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच, जब वे परिवार के साथ घर से बाहर थे, तब उनके बंद मकान के लॉकर से एक लाइसेंसी पिस्टल, शस्त्र लाइसेंस, कैश, जेवरात चोरी कर लिए गए। मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने पांच टीमों खुलासे के लिए लगाईं। गुरुवार को एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि टीमों ने आकर्ष सिंह उर्फ यश निवासी ए-11 शालीमार पैराडाइज, ऋषिक शायद, अनुराग कथूरिया उर्फ अरमान, ऋषि सोनी उर्फ

चन्दन निवासी सभी प्रयागराज व आकर्ष के मित्र पृथ्वी प्रताप सिंह निवासी आजमागढ़ को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से चोरी के जेथरात, एक पिस्टल, 9 कारतूस, नकद 14,85,000 रुपये व ऑर्डो कार बरामद की गईं। आकर्ष सिंह ने ही चोरी की साजिश रची थी। आकर्ष सिंह वादी के घर के सामने ही रहता है। बताया कि उसे शेयर मार्केट में घाटा होने के कारण उसने अपने साथी अनुराग कथूरिया, पृथ्वी प्रताप सिंह उर्फ ओम के साथ मिलकर अपने घर के सामने रहने वाले अजय प्रताप सिंह के घर में चोरी की योजना बनायी। 24 अप्रैल की रात आकर्ष द्वारा पृथ्वी प्रताप सिंह को अपने घर की छत पर मौजूद रहकर फोन कॉल के माध्यम से अलर्ट किया तथा स्वयं अजय प्रताप के घर में चोरी करने चला गया। चोरी का सामान अपनी ऑर्डो कार से ले जाकर अनुराग कथूरिया के घर पर रखा था।

ट्रेन के शौचालयों

में मिले नौ किशोर

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : बुढ़वल रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ व चाइल्ड हेल्प लाइन की टीम ने बुधवार को बाल मजदूरी की आशंका में ट्रेन से नौ किशोर बरामद किए। पूछताछ में उन्होंने पंजाब और राजस्थान में काम की तलाश में जाने की बात बताई।

प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने संवाद सामाजिक संस्थान लखनऊ तथा चाइल्ड हेल्प लाइन के साथ संयुक्त अभियान चलाया। मुखबिर से सूचना मिली थी कि ट्रेन संख्या 15211 में कुछ बच्चे बिना परिजनों के बाल मजदूरी के उद्देश्य से यात्रा कर रहे हैं। बुढ़वल स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-2 पर गुरुवार सुबह करीब 8:59 बजे ट्रेन पहुंचने पर टीम ने जांच की। जांच के दौरान एक कोच से पांच तथा दूसरे से चार किशोर शौचालय की गैलरी में यात्रा करते मिले। आरपीएफ ने सभी नौ बच्चों को कार्टेसिलिंग और अग्रिम कार्रवाई के लिए चाइल्ड हेल्प लाइन के सुपरवाइजर को सौंप दिया।

विदेश में नौकरी दिलाने के

नाम पर ठगे 5.50 लाख रुपये

सुलतानपुर, अमृत विचार : बदौदार्य थाना क्षेत्र से विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। मीरपुर वल्लीपुर निवासी इन्द्रजीत सिंह ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर दिल्ली स्थित कौशित प्लेसमेंट संस्था के संचालकों पर साढ़े पांच लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है।

उत्तर रेलवे	
ई-निविदा सूचना	
मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवाई डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।	
कार्य का नाम	वर्क ऑफ साल्वेटेड ड्री इपोक्सी रेसिन कोटिंग ऑन लेवेटरी पलंजर इन आइटओआर पैसेंजर कोचेंस।
कार्य स्थल	सवाई डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ
अनुमानित लागत	रु. 11973940.00 /— मात्र
निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य।
बिड सिक्युरिटी	रु.2,39,500/- — मात्र
कार्य पूर्ण करने की अवधि	02 वर्ष
निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनांक 28.05.2026 समय 15:00 बजे तक।
प्रमाणपत्र	फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company/Proprietorship फर्म हैं) के साथ Annexure A(a) (यदि Partnership/HUF/JV/LLP फर्म हैं) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए।
खुलने का समय	निविदा फार्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।
कार्यालय जहाँ से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है।	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है	
निविदा सूचना सं. 2026-ए.एम.वी.-सी एंड डब्लू ई निविदा-18 दिनांक : 06.05.2026	1523/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ	

उत्तर रेलवे	
निविदा सूचना	
भारत के राष्ट्रपति की और से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुमोी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई-निविदायें सिंगिल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती हैं।	
निविदा सं0	106-सिगाट/डेंडर/10/2026-27
कार्य का नाम	उत्तर रेलवे के लखनऊ डिवीजन के एडीएसटीई एवाईसी सेक्शन में सीटीआर/टीटीआर कार्य के साथ-साथ सिग्नलिंग कार्य।
अनुमानित लागत	रु.5136407.64/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
घरोहर राशि	रु. 102700.00/-
कार्य पूरा करने की अवधि	365 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	28.05.2026 15:30 Hrs.
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in वरिच सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय /मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/ उत्तर रेलवे/ लखनऊ
ठेकेदारों को ई- निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है।	
● समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती हैं। ● मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। ● निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी। निविदा रू0 सं0 – 106-सिग/ /डेंडर/ 10 /2026–27 दिनांक: 06.05.2026	
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ	

	लखनऊ विकास प्राधिकरण (ISO 14001 : 2004, ISO 9001-2008 प्रमाणित संस्था)
--	---

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 3० दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्त ककर दे। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम-6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

कागज की नाव नदी में डालते

समय मासूम डूबा, मौत

अयोध्या, अमृत विचार : चौधरी चरण सिंह घाट पर एक मासूम की नदी में डूबने से मौत हो गई। वह बुधवार शाम कागज की नाव नदी में डाल रहा था। गुरुवार सुबह उसका शव नदी में मिला। लखीमपुर खीरी के भगौती प्रसाद रामकथा संग्रहालय के निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहे हैं। वहीं तंबू लगाकर रहते हैं। उनके साथ उनकी पत्नी और चार साल का बेटा अनुराग भी रहता था। भगौती बताया कि अनुराग बुधवार शाम लापता हो गया। कुछ लोगों ने बताया कि वह कागज की नाव नदी में डाल रहा था। गुरुवार सुबह उसका शव नदी से बरामद हुआ।

पूर्वात्तर रेलवे
ई-प्रापण निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की और से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण, पूर्वात्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं:-
क्रम सं.-1. ई-प्रापण निविदा संख्या: उप मु.ई.-नि.-सा.-जौकेन-इंगीसी-01-2026, दिनांक: 09-09-2026, कार्य का नाम: पूर्वात्तर रेलवे की खलीलाबाद-बहराइच नई ब्रॉड गेज रेलवे लाइन परियोजना के संबंध में, इकोना (सहित) (वेनेज 173+400)-बहराइच (सहित) (वेनेज 240+909) खंड (लंबाई 67.509 कि.मी.) की नई सिंगल ब्रॉड गेज लाइन के सिविल इंजीनियरिंग कार्यों, विद्युतीकरण कार्यों तथा सिग्नलिंग एवं दूरसंचार कार्यों के लिये इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (इंगीसी) निविदा। अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 12,09,77,40,432.70, बयाना राशि (रु.): ₹ 24,19,54,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: Nil, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 30 (तीस) माह
नोट - प्रथम प्री-बिड कॉन्फ्रेंस की तिथि: दिनांक 01-06-2026, 11:00 बजे, ● द्वितीय प्री-बिड कॉन्फ्रेंस की तिथि: दिनांक 19-06-2026, 11:00 बजे, ● बिड प्रारम्भ करने की तिथि: दिनांक 19-08-2026, ● चरणोक्त ई-निविदा सबमिशन की अन्तिम तिथि: दिनांक 02-09-2026, 11:00 बजे तक। ● चरणोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि: दिनांक 09-09-2026, 16:00 बजे। ● निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्त वेबसाइट https://ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगें।
उप मुख् इंजीनियर/ निर्माण/ सामान्य, मुजाफि / डब्लू-80 गोरखपुर
ग्राह्मियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करीं

PUBLIC NOTICE				
Notice is hereby given that Unit No. MCA R0/1072 Floor 1st in Project M3M The Cullinan Avenue situated at Sector-54 was booked by Late Anita Singh W/o Rajendra Prasad Singh and Mr Varun Singh S/o Mr Rajendra Prasad Singh R/o House No. 4/48-C, Vipul Khand, Gomti Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh, India, 226010. Late Anita Singh (deceased name) passed away on 26.12.2025, leaving behind the following legal heir(s):				
S. No.	Name	Aadhar No.	Relationship with deceased	Address
1-	Mr Rajendra Prasad Singh	6316 7091 1189	Husband	Lucknow UP-226010
2-	Mrs Parul Singh	4002 7685 4576	Daughter	Lucknow UP-226010
3-	Mr Varun Singh	8929 5686 8082	Son	Lucknow UP-226010
Following the demise of the Late Anita Singh (deceased name) the above-mentioned legal heir(s) has/have requested lavish Buldmat Pvt Ltd for the transfer of the deceased's rights and interest in the said Unit in favour of Mr Varun Singh. Any person(s) having any claim, objection or right in respect of the said Unit/Flat may submit their objections in writing along with supporting documents to lavish Buldmat Pvt Ltd at 23rd Floor, Plot No. 1-C, Windsor Grand, Sector-126, Noida, U.P India-201303 and Mr Varun Singh (customer name), at the below-mentioned coordinates, within 21 (twenty one) days from the date of publication of this notice. In the absence of any objections within the stipulated period, Mr Varun Singh(customer name)proceed with the transfer of the said Unit no. MCA R0/1/072 in project M3M The Cullinan Avenue in his/her/their favour, and no claims shall be entertained thereafter. For any queries, kindly contact: Customer name-Mr Varun Singh Address:-House No. 4/48-C, Vipul Khand, Gomti Nagar, Lucknow, Uttar Pradesh, India. - 226010 Email Id:-varunsswbs@gmail.com Phone no./Mobile No:-9910522112				

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु

अमृत विचार अखबार के

कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना	सूचना
सूचित किया है कि हमारी संस्था की रजिस्ट्रेशन आई डी और अन्य दस्तावेज में संस्था का नाम त्रुटिश्वा मंगला गौरी सेवा संस्थान (MANGLA GAURI SEVA SANSTHAN) दर्ज हो गया है।जिसे भविष्य हेतु मंगला गौरी सेवा संस्थान (MANGLA GAURI SEVA SANSTHAAN) से जाना पहचाना जाये – दिनेश कुमार अठवानी पुत्र श्री सुरेश कुमार अठवानी निवासी –559 ख/88, श्री नगर, सिगार नगर, आलमबाग, लखनऊ उत्तर प्रदेश 226005	सूचित करना है कि मेरा हाई स्कूल का अंक पत्र परीक्षा वर्ष 2012 अनुक्रमांक 2329393 तथा इंटरमीडिएट परीक्षा वर्ष 2013 का अंक पत्र अनुक्रमांक 1712289 कहीं गायब हो गया है।नाम संजीव शेखर पुत्र परमात्मा दीन है।
सूचना	सूचना
सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्ी संख्या 216655657 में मेरा नाम रानी देवी पत्नी राजेश वर्ज है जबकि मेरे आधार 804003566985 व बैंक खाते में राजरानी दर्ज है। राजरानी उर्फ रानी देवी दोनों नाम उक्त हैं, इसी से सभी जानते पहचानते हैं। राजरानी उर्फ रानी देवी पत्नी राजेश निवासी गोनई पुखा करुवा कर्नेलगंज गोंडा।	सूचित किया जाता है कि मेरे एल आई सी संख्या 2166556567 में मेरा नाम रानी देवी पत्नी राजेश वर्ज है जबकि मेरे आधार 804003566985 व बैंक खाते में राजरानी दर्ज है। राजरानी उर्फ रानी देवी दोनों नाम उक्त हैं, इसी से सभी जानते पहचानते हैं। राजरानी उर्फ रानी देवी पत्नी राजेश निवासी गोनई पुखा करुवा कर्नेलगंज गोंडा।
सूचना	सूचना
मैं सरोज कुमार पुत्र स्वर्गीय कुंज बिहारी व जितेंद्र कुमार वर्मा पुत्र स्वर्गीय कुंज बिहारी निवासी ग्राम व पोस्ट बांसा जिला बाराबंकी का निवासी हूँ।मुझे उक्त दोनों नाम से जाना व पहचाना जाता है भारतीय जीवन बीमा निगम मे मेरी पॉलिसी संख्या 215 419 682 है जिसमे मेरा नाम जितेंद्र कुमार वर्मा है जबकि मेरे अन्य नाम सरोज कुमार है।	मैं अपना नाम SANTOSH KUMAR VERMA से बदल कर SANTOSH KUMAR रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: PATIRAM R/O: HARIHARAAPUR MAHARAJA NAGAR SHRAWASTI UTTAR PRADESH 271803
सूचना	सूचना
मैंने अपना नाम MOHAMMAD ZAKIR से बदलकर MOHD JAKIR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O- MOHD IBRAHIMADD-78, RAIS NAGAR TAHSEEN GANJ, DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)	मेरे पासपोर्ट सं0— P8619200 में त्रुटिश्वा मेरा नाम MOHAMMAD FAHEEM अंकित हो गया है। जबकि मेरे अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम MOHD FAHEEM दर्ज है। अतः मेरे पासपोर्ट में संशोधन कर मेरा नाम MOHD FAHEEM लिखा व पढ़ा जाये। S/o MOHAMMAD KALEEM नि०: 401/80, अब्दुल अजीज रोड, लखनऊ, उ० प्र०।
सूचना	सूचना
मैंने अपना नाम MOHAMMAD ABULKHAIR से बदलकर SYED ABDUL KHAIR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-SYED CHASME ALAM ADD-538 K/1728, TRIVENI, NAGAR 3RD, NEAR 60 FITA ROAD , ALLU NAGAR DIGURIA, DIST-LUCKNOW-226020 (U.P.)	मैंने अपना नाम MOHAMMAD Firdaus Usman, पत्नी Mohammad Usman निवासिनी:- 262/1, कटरा आज़मगंज, बिल्लोच पुरा, लखनऊ – 226004 की हूँ. मेरे पति के पासपोर्ट में त्रुटिश्वा मेरा नाम Firdaus Bano लिख गया है, बल्कि मेरे आधार अनुसार मेरा सही नाम Firdaus Usman हैं. दोनों ही नाम एक ही महिला के हैं। आज से मुझे Firdaus Usman के नाम से जाना, पहचाना व दर्ज किया जाये।
सूचना	सूचना
मैं रविशंकर कुमार (RAVISHANKER KUMAR) पुत्र श्री राजेश प्रसाद निवासी-नाग-बगहा थाना-इर्दौला तहसील-बखशी का तालाब जिला-लखनऊ उ०प्र०, सिहावल में मेरे पुत्र उल्कर्ष गौतम (UTKARSH GAUTAM) का नाम कियंश (KIYANSH) दर्ज है जबकि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम उल्कर्ष गौतम (UTKARSH GAUTAM) है, जो उसके आदर्ष काई संख्या-5944 0385 3482 व जन्म प्रमाण-पत्र में अंकित है।कियंश व उल्कर्ष गौतम दोनों नाम मेरे पुत्र अर्थात एक ही बच्चे के ही हैं। मेरे पुत्र उल्कर्ष गौतम को अब व भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाये।मेरे पुत्र उल्कर्ष गौतम की माता का नाम श्रीमती कान्ति (KANITI) है।	मैंने अपना नाम MOHAMMAD ABULKHAIR से बदलकर SYED ABDUL KHAIR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O- MOHD IBRAHIMADD-78, RAIS NAGAR TAHSEEN GANJ, DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)
सूचना	सूचना
मेरे पासपोर्ट सं0— P8619200 में त्रुटिश्वा मेरा नाम MOHAMMAD FAHEEM अंकित हो गया है।जबकि मेरे अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम MOHD FAHEEM दर्ज है। अतः मेरे पासपोर्ट में संशोधन कर मेरा नाम MOHD FAHEEM लिखा व पढ़ा जाये। S/o MOHAMMAD KALEEM नि०: 401/80, अब्दुल अजीज रोड, लखनऊ, उ० प्र०।	पहले मेरा नाम KANEEZ FATIMA था अब मैंने बदलकर अपना नाम KANEEJ FATIMA रख लिया है अब भविष्य में मुझे KANEEJ FATIMA के नाम से जाना व पहचाना जाये। W/O- ALI HAIDER R/O,110, SAHIBAPUR MEER GAON POST DUMARIYAH, GONDA

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसे में युवक की मौत, दूसरा घायल

ककरहवा, सिद्धार्धनगर अमृत विचार । मोहाना थाना क्षेत्र के पिपरहवा गांव निवासी बाबू साहब पुत्र सनन (40) की नेपाल में हुए सड़क हादसे में मौत हो गई। बाबू साहब अपने निजी कार्य से मोटरसाइकिल से अपने भतीजे के साथ नेपाल गया था। महेजीदिया क्षेत्र के पास सामने से आ रहे तेज रफ़्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल भैरहवा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने बाबू साहब को मृत घोषित कर दिया, वहीं दूसरा व्यक्ति घायल है। घटना के बाद परिजनो का रो-रोकर बुरा हाल है। युवक की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

मण्डल कार्य समिति की बैठक हुई सम्पन्न

सिद्धार्धनगर, अमृत विचार । विधानसभा शोहरतगढ़ के पकड़ी मण्डल के अन्तर्गत गुरुघार को पकड़ी स्थित आदर्श वाल विद्या मन्दिर के सभागार में मण्डल कार्य समिति की बैठक आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष अरविन्द चौधरी ने की। कार्यक्रम की बैठक में मुख्य अतिथि मण्डल प्रभारी अविनाश मुख्य वक्ता के रूप में अपनी बात काध्यक्षाओं के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त किया। बैठक में मृत आत्मा के शान्ति के लिए दो मिन्ट का मौन भी रखा। इस बैठक में पकड़ी मण्डल के पशुशुगर जायसवाल, पारस जायसवाल, ओमप्रकाश मिश्रा, रत्नेश उपाध्याय, प्रेमचन्द निषाद, अवधराम विश्वकर्मा, सिद्धार्थ मिश्रा, लक्ष्मी चौहान, ज्ञानदाम गौतम, अन्न उपाध्याय सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हैदराबाद से गोरखपुर के बीच चलेगी विशेष ट्रेन

गोरखपुर, अमृत विचार । रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों की सुविधा के लिए पूर्व से चलाई जा रही 07075/07076 हैदराबाद-गोरखपुर-हैदराबाद साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार हैदराबाद से 08, 15, 22 एवं 29 मई को तथा गोरखपुर से 10, 17, 24 एवं 31 मई को 04 फेरों के लिये किया जा रहा है। 07075 हैदराबाद-गोरखपुर साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 08, 15, 22 एवं 29 मई (शुक्रवार) को हैदराबाद से 21.00 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन का प्रसंट्रल, तीसरे दिन ऐशबाग, लखनऊ सिटी, गोमतीनगर, बाराबंकी तथा गोण्डा से 03.25 बजे छूटकर गोरखपुर 06.30 बजे पहुंचेगी।

ई-लॉटरी से शराब की दुकानों का किया गया आवंटन

संतकबीरनगर, अमृत विचार। जनपद में वर्ष 2026-27 के लिए नवसृजित शराब की दुकानों के व्यवस्थापन की प्रक्रिया गुरुवार को ई-लॉटरी के माध्यम से संपन्न कराई गई। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में गठित जिला चयन समिति ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी ढंग से कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न कराया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना भी मौजूद रहे। ई-लॉटरी के जरिए नवसृजित देशी मदिरा दुकान कठवतिया, राम जंगला मैलिया मोड़ तथा कम्पोजिट शॉप कठवतिया का चयन एवं व्यवस्थापन

मानव जीवन बचाना राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी : हाईकोर्ट

पारिवारिक भूमि विवाद से जुड़े मामले में याची को सुरक्षा न मुहैया कराए जाने पर पुलिस-प्रशासन के रवैये पर जताई नाराजगी

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन के रवैये पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि मानव जीवन की रक्षा करना राज्य की पहली चिंता होनी चाहिए, न कि केवल अपराध होने के बाद हथारों को न्याय के कठपंरे में खड़ा करना। कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था एजेंसियों को मानव जीवन की सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता “हमेशा से कम रही है और अब भी कम ही है।” कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी व्यक्ति की हत्या या उस पर हमला हो जाए, तो बाद में कड़ी दंडात्मक कार्रवाई उसे जीवन वापस नहीं दे सकती।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और



न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने बदार्थु निवासी नानकराम की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। याची ने पारिवारिक भूमि विवाद को लेकर पांच लोगों से अपनी जान को खतरा बताते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी), बदार्थु से सुरक्षा की मांग की थी। पुलिस की कथित उदासीनता के बाद उन्होंने कोर्ट में याचिका दाखिल कर सुरक्षा उपलब्ध कराने और निजी विपक्षियों में की गई दंडात्मक कार्रवाई उसे जीवन वापस नहीं दे सकती।

हलफनामे को “अस्पष्ट” और “अपेक्षित स्तर से बहुत नीचे” बताया। हलफनामे में पक्षों के बीच भूमि विवाद, पुलिस द्वारा बीएनएसएस की धारा 170/126/135 के तहत की गई निवारक कार्रवाई तथा गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के प्रयासों का उल्लेख किया गया था, साथ ही यह भी कहा गया कि गांव में स्थिति शांतिपूर्ण है और विवाद केवल पारिवारिक दुश्मनी तथा जमीन के बंटवारे तक सीमित है। कोर्ट ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अपराध का घटित होना एक बात है, शांति बनाए रखना दूसरी, लेकिन याची द्वारा अपने जीवन को खतरे का जो आरोप लगाया गया है, वह बिल्कुल अलग मुद्दा है। कोर्ट ने कहा कि याची की आशंका के प्रति एसएसपी का रवैया स्पष्ट रूप से उदासीन दिखाई देता है।

कई थाना प्रभारी व थानाध्यक्षों का एसपी ने किया स्थानांतरण

सिद्धार्धनगर, अमृत विचार।

पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महानजन ने गुरुवार को जनपद के कई थाना प्रभारी व थानाध्यक्षों के कार्य क्षेत्र में फेरबदल किया है। प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय को उसका बाजार से हटाकर त्रिलोकपुर थाने की कमान सौंपी। निरीक्षक सन्तोष तिवारी को कपिलवस्तु थाने से हटाकर उसका बाजार थाने की जिम्मेदारी दी। उप निरीक्षक मान सिंह प्रभारी महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन को कपिलवस्तु का प्रभार सौंपा और उप निरीक्षक ओम प्रकाश मिश्र को प्रभारी एण्टी थेफ्ट टीम से हटाकर पथरा बाजार भेजा। उप निरीक्षक

अमित कुमार थनाध्यक्ष पथरा बाजार से थाना सिद्धार्धनगर भेजा, उप निरीक्षक वृजेश सिंह को थाना भवानीगंज से हटाकर शिवनगर डिडई का थानाध्यक्ष बनाया। वहीं उप निरीक्षक विनय शंकर सिंह को थाना सिद्धार्धनगर हटाकर भवानीगंज थनाध्यक्ष के लिए भेजा। उप निरीक्षक चन्द्रकान्त पाण्डेय को थाना त्रिलोकपुर से हटाकर प्रभारी एसओजी बनाया और निरीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य को थाना शिवनगर डिडई से हटाकर महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन का प्रभारी बनाया। उप निरीक्षक सन्तोष कुमार सिंह को थाना पथरा बाजार से एण्टी थेफ्ट टीम का प्रभारी बनाया।

खलीलाबाद में रेलवे ट्रैक किनारे लगी भीषण आग

संतकबीरनगर, अमृत विचार। खलीलाबाद रेलवे स्टेशन के पश्चिमी छोर पर गुरुवार दोपहर रेलवे ट्रैक के किनारे झाड़ियों में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। तेज हवा और सुखी झाड़ियों के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया और आसपास रखे रेलवे के पाइप भी इसकी चपेट में आकर जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। आग की ऊंची लपटें उठती देख आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल रेलवे प्रशासन, पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

बस स्टेशन व कार्यशाला निर्माण की कवायद तेज

संवाददाता, संतकबीरनगर ।

अमृत विचार। जनपद मुख्यालय पर प्रस्तावित बस स्टेशन और डिपो कार्यशाला निर्माण को लेकर प्रशासनिक कवायद तेज हो गई है। इसी क्रम में जिलाधिकारी आलोक कुमार ने मंगलवार को मीरगंज गांव में चिन्हित भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षक के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीएम ने मौके पर पहुंचकर भूमि के चिन्हांकन की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बस स्टेशन और डिपो कार्यशाला



बस स्टेशन निर्माण के लिए चिन्हित भूमि का निरीक्षण करते डीएम आलोक कुमार ।

- **डीएम ने मीरगंज में चिन्हित भूमि का लिया जायजा**
- **प्रभावित परिवारों की रिपोर्ट तैयार कर पुनर्वास के दिए निर्देश**

निर्माण की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाए। साथ ही जिन परिवारों की भूमि या आवास

किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता बाधित करने को सिर्फ धार्मिक भावनाएं आहत होने का आरोप पर्याप्त नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज, अमृत विचार । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धार्मिक

भावनाओं के कथित आहत होने के आरोप से जुड़े मामले में कहा कि किसी व्यक्ति पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप भर लगा देने से उसकी स्वतंत्रता अनिश्चितता तक बाधित नहीं की जा सकती, विशेषकर तब जब उसके कृत्य से सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने का कोई ठोस साक्ष्य उपलब्ध न हो। कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि गिरफ्तारी के समय आरोपी को गिरफ्तारी के आधारों की जानकारी न देना सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित विधिक मानकों का उल्लंघन है। इसी आधार

पर कोर्ट ने छह माह से अधिक समय से जेल में बंद आरोपी को जमानत दे दी।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ ने राजवरी सिंह यादव की जमानत अर्जी स्वीकार करते हुए पारित किया। याची के खिलाफ कोतवाली सिटी थाना, मिर्जापुर में बीएनएस की धाराओं 299, 196, 353, 61(2), 338, 336(3) और 340(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्राथमिकी सह-आरोपी सरोज सरगम के खिलाफ दर्ज हुई थी, जिस पर हिंदू देवी-देवताओं के विरुद्ध आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग कर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप था।

सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने के साक्ष्य भी जरूरी

हैदराबाद से गोरखपुर के बीच चलेगी विशेष ट्रेन

गोरखपुर, अमृत विचार । रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों की सुविधा के लिए पूर्व से चलाई जा रही 07075/07076 हैदराबाद-गोरखपुर-हैदराबाद साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार हैदराबाद से 08, 15, 22 एवं 29 मई को तथा गोरखपुर से 10, 17, 24 एवं 31 मई को 04 फेरों के लिये किया जा रहा है। 07075 हैदराबाद-गोरखपुर साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 08, 15, 22 एवं 29 मई (शुक्रवार) को हैदराबाद से 21.00 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन का प्रसंट्रल, तीसरे दिन ऐशबाग, लखनऊ सिटी, गोमतीनगर, बाराबंकी तथा गोण्डा से 03.25 बजे छूटकर गोरखपुर 06.30 बजे पहुंचेगी।

अवैध वेंडरों के खिलाफ चलाया अभियान

गोरखपुर, अमृत विचार । रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान रेल यात्रियों को स्वच्छ तथा शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु पूर्वोत्तर रेलवे के तीनों मंडलों पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अनधिकृत वेंडरों, खाद्य एवं पेय पदार्थ के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत गुरुवार को सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/कैटरिंग/गोरखपुर प्रशान्त मिश्रा ने गोरखपुर जं. स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या-9 पर निरीक्षण के दौरान विभिन्न गाड़ियों में लोडिंग के लिये रखी गई लगभग 1800 अनधिकृत पानी की बोतलें जप्त की।



अवैध वेंडरों से जब्त की गई पानी की बोतलों के साथ अधिकारी ।

वापसी यात्रा में 07076 गोरखपुर-हैदराबाद साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 10, 17, 24 एवं 31 मई को गोरखपुर से 08.30 बजे प्रस्थान कर हैदराबाद 17.25 बजे पहुंचेगी।

इस गाड़ी में वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 08, शयनयान श्रेणी के 06, साधारण द्वितीय श्रेणी के 02, एल.एस.एल.आर.डी. का 01 तथा

स्कैप निस्तारण से 19.53 करोड़ की आय
गोरखपुर, अमृत विचार । पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन स्कैप निस्तारण के क्षेत्र में निरन्तर उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहा है। स्कैप निस्तारण के परिणामस्वरूप रेल परिसर एवं रेल लाइनों के किनारे पड़ी निराकृत सामग्रियों के निस्तारण से यह स्थल स्वच्छ एवं साफ-सुधरे हो रहे हैं। वर्तमान वित्त वर्ष 2026-27 के प्रथम माह अप्रैल, 2026 में 'मिशन जीरो स्कैप' के तहत स्कैप निस्तारण से रु. 19.53 करोड़ के रेल राजस्व की प्राप्ति हुई।

जन्रेटर सह लगेज यान के 01 कोच सहित कुल 22 आधुनिक एल.एच. बी. कोच लगाये जायेंगे।

भाजपा प्रत्याशी सुनीता 5,258 मतों से विजयी

संवाददाता कुशीनगर ।

अमृत विचार: नगर पंचायत फाजिलनगर के अध्यक्ष पद हेतु उप निर्वाचन की मतगणना गुरुवार को भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। मतगणना तहसील मुख्यालय कसया पर सम्पन्न कराई गई। मतगणना कार्य के लिए 1 आरओ टेबल एवं 7 मतगणना टेबल बनाए गए थे। इसके लिए 07 मतगणना पर्यवेक्षक तथा 21 गणना सहायकों की नियुक्ति की गई थी।उक्त निर्वाचन में कुल 4 प्रत्याशियों ने भाग लिया। मतगणना के दौरान मतपेटियों से कुल 10,519 मतपत्र प्राप्त हुए, जिनमें 10,174



प्रमाण पत्र के साथ विजयी प्रत्याशी व पार्टी पदाधिकारी ।

अमृत विचार

- **नगर पंचायत फाजिलनगर अध्यक्ष पद के लिए उप निर्वाचन की मतगणना सम्पन्न**

मत वैध तथा 345 मतपत्र निरस्त पाए गए। निर्वाचन में भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी सुनीता

शाही को सर्वाधिक 5,258 मत प्राप्त हुए, जिसके आधार पर उन्हें विजयी घोषित किया गया। निर्वाचन अधिकारी सर्वेश सिंह गौर द्वारा प्रेक्षक की उपस्थिति में विजयी प्रत्याशी को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।अन्य प्रत्याशियों में समाजवादी

पार्टी के प्रत्याशी अवधेश को 4,541 मत प्राप्त हुए तथा वे द्वितीय स्थान पर रहे। एआईआईएम के प्रत्याशी सिराजुद्दीन समसुद्दीन अंसारी को 268 मत, निर्दलीय प्रत्याशी केदार सिंह को 99 मत तथा नोटा के पक्ष में 08 मत प्राप्त हुए।सम्पूर्ण मतगणना प्रक्रिया के दौरान जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पं०) महेंद्र सिंह तंवर, पुलिस अधीक्षक केशव प्रेक्षक राजेश श्रीवास्तव, उप जिला निर्वाचन अधिकारी वैभव मिश्रा, उप जिलाधिकारी कसया डॉ॰ सन्तराज सिंह सहित जिला निर्वाचन कार्यालय (पंचायत एवं नगरीय निकाय) के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गैस एजेंसी की मनमानी से लोग परेशान, नहीं मिल रहा सिलेंडर

गोरखपुर, अमृत विचार । जहां एक तरफ गैस सिलेंडरों के लिए उपभोक्ताओं को दर-दर भटकना पड़ रहा है। वहीं दूसरी तरफ खुलेआम हॉंकारो के माध्यम से सिलेंडर की कालाबाजारी जोरों पर किया जा रहा है। बताते चलें कि घरेलू गैस सिलेंडर के लिए कार्ड धारक अपने सिलेंडर को लेने के लिए परेशान है बुकिंग करने के बाद भी उनको जल्दी गैस नहीं मिल रहा है। ऑफिस से लेकर गोदाम का चक्कर उपभोक्ताओं को लगाना पड़ रहा है ऐसा ही मामला तरंग गैस सर्विस का आया है। जहां अपने मनमानी ढंग से कार्य करना आम शोहरत बन गई है। सूत्र बताते हैं कि हाकरो के माध्यम से गैस सिलेंडर को अधिक मूल्य पर बेचा जा रहा है। वहीं कनेक्शन वाले उपभोक्ता दर-दर भटकने पर मजबूर दिखाई दे रहे हैं, जब वह गोदाम जा रहे हैं गैस लेने के लिए बुकिंग के बाद भी यह



तरंग गैस एजेंसी पर जमा घरेलू सिलेंडर ।

कहकर वापस कर दिया जाता है कि उनका ओटीपी नहीं आया है। उपभोक्ता गोदाम से बिना गैस लिए लौटने पर मजबूर हो जाता है। सूत्र यहां तक बताते हैं कि ज्यादातर गैस एजेंसीया चोरी चुपके हाकरो के माध्यम से अधिक मूल्य पर गैस वितरण कर रहे है।



न्यूज ब्रीफ

सोहराबुद्दीन मुठभेड़ मामले में 22 को बरी का फैसला बरकरार

मुंबई । बंबई हाईकोर्ट ने गैंगस्टर सोहराबुद्दीन शेख, उसकी पत्नी कौसर बी और उसके सहयोगी तुलसीराम प्रजापति की 2005 में कथित फर्जी मुठभेड़ के मामले में 22 आरोपियों को बरी करने का फैसला बृहस्पतिवार को बरकरार रखा । मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अखंड की पीठ ने शेख के भाइयों रुबाबुद्दीन और न्याबुद्दीन की उन अपील को खारिज कर दिया जिनमें विशेष अदालत के दिसंबर 2018 में कथित फर्जी मुठभेड़ के बरी करने के फैसले को चुनौती दी गई थी बरी किए गए 22 आरोपियों में से 21 गुजरात और राजस्थान पुलिस के निरपेक्ष स्तर के थे अधिकारी थे, जो कथित तौर पर उन टीम का हिस्सा थे जिन्होंने तीनों का अग्रहार किया और बाद में उन्हें फर्जी मुठभेड़ों में मार डाला ।

टीवीके को सरकार बनाने से रोक रही है केंद्र सरकार : कांग्रेस नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने आरोप लगाया है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार टीवीके के नेता विजय को तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनने से रोकने का प्रयास कर रही है । टैगोर ने कहा, तमिलनाडु का जनदेश बदलाव के लिए है, विजय की सरकार के लिए है । नतीजों से यह भी साबित हुआ है कि लोगों ने धर्मनिरपेक्ष सरकार के लिए वोट किया है । उन्होंने दावा किया कि राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अलेंकर भाजपा की विचारधारा से हैं और इस पद पर भी इसी विचारधारा के तहत काम कर रहे हैं, जबकि उन्हें संविधान के हिसाब से काम करना चाहिए । यदि वह संविधान के तहत काम करते तो सबसे बड़े दल को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करते और वह सरकार विधानसभा में अपना बहुमत साबित करती । लेकिन यह नहीं किया जा रहा है ।

60 फीट गहरे कुएं में गिरकर छह साल के छात्र की मौत बरेली । अदीनापुर गांव के एक निजी स्कूल में पढ़ने वाला छह साल का छात्र कैपस के बाहर खुले पड़े गहरे कुएं में समा गया । मासूम इंटरवल के समय स्कूल के बाहर मैदान में खेलने गया था । काफी देर भी जब वह कक्षा में वापस नहीं लौटा तो तो पूछताछ शुरू हुई । इसके बाद एक छात्र में कुएं में गिरने की बात कही तो सभी मौके पर पहुंचे और उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक मासूम लविश की मौत हो चुकी थी । बच्चे की मौत की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया । परिवार और स्थानीय लोग स्कूल प्रबंधन पर लापरवाही बरतने के आरोप लगाए हैं ।

भारत को सीमा पार से होने वाले आतंकवाद से आत्मरक्षा का अधिकार : विदेश मंत्रालय

सीमा पार से आतंकवाद लंबे समय से पाकिस्तान की नीति का हिस्सा



नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने सीमा पार से होने वाली पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ बृहस्पतिवार को आत्मरक्षा के अपने अधिकार को दोहराया और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने का संकल्प लिया । नई दिल्ली की ओर से यह कड़ा संदेश ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर दिया गया है । विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, आज हम ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मना रहे हैं । पूरी दुनिया ने पहलगाम आतंकवादी हमले को देखा । सीमा पार से आतंकवाद को प्रायोजित करने के लिए हमने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया । उन्होंने अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, दुनिया जानती है कि सीमा पार से होने वाला आतंकवाद लंबे समय से पाकिस्तान की नीति का हिस्सा रहा है । हमें आतंकवाद के खिलाफ आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है ।

जायसवाल ने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने के लिए काम करता रहेगा । पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में, भारत ने पिछले साल 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसमें पाकिस्तान आर पीओके में नौ आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए गए थे और करीब 100 आतंकवादियों को मार गिराया गया था ।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर दोहरा रवैया देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सत्ता में आते ही पुराने रुख से पलट जाते हैं राजनीतिक दल, यह बहुमत की तानाशाही से जुड़ा मुद्दा

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि विपक्ष में रहते हुए राजनीतिक दल चुनाव आयोग की स्वतंत्रता की मांग करते हैं लेकिन सत्ता में आने के बाद या तो इस मुद्दे पर चुप हो जाते हैं या फिर बिल्कुल उलट रुख अपना लेते हैं । यह देश के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है । न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की ।

न्यायमूर्ति दत्ता ने एक सांसद के “निर्वाचित नहीं होने वालों की तानाशाही” संबंधी बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि इसे निर्वाचित लोगों की तानाशाही के रूप में भी देखा जाना चाहिए । न्यायमूर्ति



शर्मा ने टिप्पणी की कि यह बहुमत की तानाशाही है । गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा हैं और इसके लिए स्वतंत्र

पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद लगातार हिंसा

से गहराया भय और निराशा का माहौल

शुभेंदु के पीए की हत्या से गहरी हुई प्रतिद्वंद्विता, हिंसा के और खतरनाक दौर में पहुंचने की आशंका

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव अप्रत्याशित रूप से शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होने के बाद, राज्य में एक बार फिर राजनीतिक हिंसा के कारण बृहस्पतिवार को भय और निराशा का माहौल बन गया । इस हत्या ने शुभेंदु अधिकारी और तृणमूल नेतृत्व के बीच व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता को और भी गहरा कर दिया है । साथ ही, इस आशंका को भी बढ़ा दिया है कि बंगाल में चुनाव बाद की हिंसा का दौर और भी खतरनाक चरण में प्रवेश कर सकता है ।

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ (42) की हत्या की घटना ने बंगाल में चुनाव बाद के राजनीतिक माहौल को तनावपूर्ण कर दिया है तथा भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच जुबानी जंग नए सिरे छिड़ गई है । इस घटना ने राज्य के चुनावी माहौल को भय, प्रतिशोध के विमर्श और जवाबी हिंसा के आरोपों से लैस कर राजनीतिक टकराव में तब्दील कर दिया है । भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस पर प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि यह हत्या बंगाल में कानून व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने का प्रमाण है । भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने रथ की हत्या को सुनियोजित राजनीतिक हत्या करार दिया और दावा किया कि इसका मकसद राज्य में अस्थिरता पैदा करना है ।



भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के पीए का शव घर पहुंचने पर उमड़ी भीड़ ।

साजिशा का इशारा... हमले में इस्तेमाल कार-बाइक पर फर्जी थी नंबर प्लेटें, मिटा दिए गए थे चेसिस नंबर जांच एजेंसियों के मुताबिक रथ पर बुधवार रात करीब 10:30 बजे तब हमला किया गया, जब वह कोलकाता से अपने मध्यग्राम स्थित आवास लौट रहे थे । डोलतला और मध्यग्राम चौमाथा के बीच दोहरिया के पास उनकी गाड़ी को रोक लिया गया । पहले एक कार ने रथ की एसयूवी की रफ्तार धीमी कराई, जिसके बाद मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने से एक ने उनके वाहन के पास आकर करीब से कई गोलियां चलाईं । पुलिस ने बाद में लावारिस हालत में मिली इस कार को जब्त कर लिया और पाया कि उसकी नंबर प्लेट फर्जी थी । चेसिस नंबर और इंजन नंबर मिटा दिए गए थे । इससे संकेत मिलता है कि हत्या की साजिश रची गई थी । घटनास्थल से लगभग 4 किलोमीटर दूर एक चाय दुकान के पास हमले में इस्तेमाल की गई एक मोटरसाइकिल को भी बरामद कर लिया गया । मोटरसाइकिल का पंजीकरण नंबर भी फर्जी था और चेसिस नंबर मिटा दिया गया था ।

उन्होंने कहा, चुनाव जीतने वाले हम ही हैं, लेकिन मरने वाले भी हम ही हैं । केंद्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने इस घटना को बंगाल की खून से सनी राजनीतिक संस्कृति का

प्रतिबिंब बताया । तृणमूल कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि हत्या में पार्टी की कोई भूमिका नहीं है और भाजपा पर आरोप लगाया कि उसने

बसीरहाट में मारी भाजपा कार्यकर्ता को गोली

कोलकाता । उत्तर 24 परगना जिले के बसीरहाट इलाके में बुधवार को भाजपा के एक कार्यकर्ता रोहित रॉय पर गोली चलाई गई । भाजपा ने आरोप लगाया कि हमलावर तृणमूल कांग्रेस के संरक्षण प्राप्त बदमाश थे । भाजपा कार्यकर्ता को पेट में गोली लगने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर है । पार्टी की ओर से जारी एक वीडियो फुटेज में रॉय को यह कहते हुए सुना जा रहा है कि वह कुछ लोगों के साथ अपने इलाके में भाजपा के झंडे लगा रहे थे, तभी उन पर गोली चलाई गई ।

पनिहाटी: बम हमले से पांच भाजपा कार्यकर्ता घायल

कोलकाता । उत्तर 24 परगना जिले के पनिहाटी में कथित बम विस्फोट में भाजपा के पांच समर्थक घायल हो गए । पुलिस ने बताया कि अज्ञात हमलावरों ने भाजपा कार्यकर्ताओं के एक समूह पर देसी बम फेंके, जिससे पांच लोग घायल हो गए । घायलों को कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में भर्ती कराया गया । पनिहाटी के बाई नंबर दो में दत्ता रोड पर भाजपा कार्यकर्ता लोगों से बातचीत कर रहे थे कि तभी मोटरसाइकिल पर सवार लोगों ने बम फेंके और फरार हो गए ।

जांच पूरी होने से पहले ही घटना का राजनीतिकरण कर दिया । कांग्रेस और माकपा के नेताओं ने भी इस हत्या की निंदा की और निष्पक्ष जांच की मांग की ।

हमीरपुर का नाव हादसा : सभी छह लोगों के शव बरामद

संवाददाता, कुरारा (हमीरपुर) । भौली ग्राम पंचायत के कोतपुर पटिया गांव में बुधवार शाम यमुना नदी में हुए नाव हादसे के बाद रात भर सचं ऑपरेशन चला, लेकिन कामयाबी नहीं मिली । गुरुवार सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक एक के बाद एक कर महिला सहित सभी 6 लोगों के शव बरामद कर लिए गए । प्रदेश सरकार ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 4.25 लाख मुआवजा देने की घोषणा की गई है । भौली ग्राम पंचायत के मजरा कोतपुर पटिया गांव के पास यमुना नदी में नाव पलटने से छह लोग डूब गए थे, जबकि नाविक ने खुद के साथ दो लोगों को बचा लिया था । यह हादसा उस समय हुआ था, जब लोग यमुना नदी के बीच रेत वाली बारी में खर्बूजा-ककड़ी लेने गए थे । वहां से शाम करीब 6:30 बजे लौटते समय अचानक संतुलन बिगड़ने से नाव पलट गई थी, जिससे सभी नौ लोग डूब गए थे । नाव चला रहे विष्णु ने किसी तरह पारुल और रिकू को बचाकर नदी के किनारे पहुंचाया, लेकिन बांकी 6 लोग लापता हो गए थे । टीम ने सबसे पहले बृजानी (25) का शव बरामद किया । इसके बाद अर्चना (12) और आकांशा (9) के शव मिले । बाद में रानी (9) पुत्री बच्चन, लव्यांश (5) के शव बरामद हुए । वहीं आदित्य (11) का शव शाम 6 बजे बरामद किया जा सका । मौके पर पहुंची राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष एवं साध्वी निरंजन ज्योति ने बताया कि प्रत्येक मृतक के परिवार को मुआवजा देने की घोषणा की गई है ।

राजनीति	द्रमुक प्रमुख स्टालिन ने खारिज कीं अटकलें, कहा – टीवीके को सरकार बनाने से नहीं रोकेंगे
चेन्नई, एजेंसी	

तमिलनाडु में तमिलनाड़ा वेट्टो कजगम के प्रमुख थलापति विजय की ओर से सरकार बनाने के दावे को राज्यपाल की ओर से स्वीकार न किए जाने के बाद शुरू हुई अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन से सरकार बनाने की अटकलों को द्रमुक अध्यक्ष एमके स्टालिन ने खारिज कर दिया है । उन्होंने कहा है कि द्रमुक न तो अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन करेगी और न ही टीवीके के सरकार बनाने के रास्ते में कोई बाधा उत्पन्न करेगी ।

स्टालिन ने सोशल मीडिया

के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश वाली समिति की सलाह पर करने का निर्देश दिया था । वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने कहा कि अदालत कानून नहीं बना रही, लेकिन यह जरूर परख सकती है कि नया कानून 2023 के फैसले में निर्धारित संवैधानिक मानकों का पालन करता है या नहीं ।

याचिकाओं में मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त अधिनियम, 2023 की धारा सात और आठ को चुनौती दी गई है । इनके तहत नियुक्ति समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया है, सीजेआई को बाहर रखा गया है । कहा गया है कि सीजेआई को चयन समिति से हटाने से नियुक्ति प्रक्रिया सरकार के पक्ष में झुक जाती है और पक्षपात की आशंका बढ़ जाती है ।

वंदे मातरम् पर सरकार का कदम असंवैधानिक

नई दिल्ली । ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की ओर से वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन के समान कानूनी संरक्षण दिए जाने के फैसले को कड़ी आलोचना करते हुए इसे धार्मिक स्वतंत्रता सहित संवैधानिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन करार दिया और तत्काल इस निर्णय को वापस लेने की मांग की ।

बोर्ड ने कहा कि बोर्ड केंद्रीय मंत्रिमंडल के उस फैसले को कड़ी आलोचना के साथ खारिज करता है, जिसमें वंदे मातरम् को राष्ट्रगान जन गण मन के बराबर दर्जा दिया गया है, इसके सभी छह अंतरो के गायन को अनिवार्य बनाया गया है ।

यूपी की तरह हुए बंगाल में चुनाव

दीदी बहादुरी से लड़ीं: अखिलेश



कोलकाता में अपने आवास पर अखिलेश का स्वागत करतीं ममता बनर्जी ।

● शुभंकर चक्रवर्ती

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कोलकाता पहुंचकर ममता बनर्जी से मुलाकात की और उनका हासला बढ़ाया । अखिलेश ने कहा, सामंती और पुरुषवादी सोच रखने वाली भाजपा की नजरों में दीदी हमेशा खटकती रही है क्योंकि वह आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं । उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रक्रिया बिल्कुल भी पारदर्शी नहीं थी । ममता बनर्जी हारी नहीं हैं बल्कि हराई गई हैं । ऐसे ही चुनाव यूपी में कराए गए थे ।

पश्चिम बंगाल में हुए राजनीतिक बदलाव के बाद अखिलेश की ममता बनर्जी से यह पहली मुलाकात थी । कोलकाता में हुई इस मुलाकात के दौरान ममता बनर्जी खुद अखिलेश यादव को रिसीव करने गेट तक पहुंचीं, अभिषेक बनर्जी ने गले लगाकर उनका स्वागत किया । अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और कहा, दीदी, आप हारी नहीं हैं बल्कि आपने एक योद्धा की तरह चुनाव लड़ा है । मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि उन्होंने बंगाल चुनाव को करीब से देखा और चुनाव प्रचार के दौरान जिस तरह की भाषा और रवैया अपनाया गया, वह हैरान करने

विमान में पुरुषों के समूह ने मेरा उत्पीड़न किया : महूआ मोइत्रा



नई दिल्ली । तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य महूआ मोइत्रा ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति की बैठक में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली आने के दौरान इंडिगो की उड़ान में उन्हें पुरुषों के एक समूह की ओर से उत्पीड़न का सामना करना पड़ा । तृणमूल सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा की यही संस्कृति है । तृणमूल सांसद ने एक्स पर घटना से संबंधित ● **कहा- उत्पीड़न का वीडियो बनाकर किया वायरल, भाजपा की यही संस्कृति है** एक वीडियो भी साझा किया और कहा, मैं रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति की बैठक में भाग लिए

दिल्ली आई थी । मैं उड़ान संख्या 6ई-719 में सीट नंबर 1एफ पर बैठी थी । चार-पांच लोग विमान में सवार हुए और मुझे धूरते हुए पिछले हिस्से में चले गए । उन्होंने आरोप लगाया कि विमान के हवाई अड्डे पर उतरने के बाद और विमान के दरवाजे खुलने से पहले उन लोगों ने उसे परेशान किया और इस घटना का वीडियो बनाया । मोइत्रा ने कहा, यह उत्पीड़न है और विमान में मेरी सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है । किसी भी हालत में ये बदमाश विमान के अंदर इस तरह का उत्पीड़न करके बच नहीं सकते ।

मोइत्रा ने इंडिगो और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु को टैग करते हुए घटना में संलिप्त लोगों को खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की । उन्होंने विमान कंपनी को संबोधित करते हुए लिखा, अपनी क्रू रिपोर्ट दूँदें, उनके नाम उजागर करें और उन्हें प्रतिबंधित सूची में डाल दें । मोइत्रा ने कहा कि उन्होंने घटना को नजरअंदाज करते हुए बैठक में भाग लिया था, लेकिन संघियों की ओर से वायरल किए गए वीडियो को देखने के बाद उन्होंने इस मुद्दे को उठाने का फैसला किया ।

● कोलकाता में ममता से मिले अखिलेश, कहा- भाजपा से मिला है चुनाव आयोग



कुंदरकी-रामपुर में भी हुई थी इसी तरह की धांधली अखिलेश ने उत्तर प्रदेश के कुंदरकी और रामपुर उपनुावों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां मतदाताओं को डराया गया और पोलिंग एजेंटों को बाहर निकाल दिया गया । उन्होंने चुनौती दी कि यदि चुनाव आयोग निष्पक्ष है तो बंगाल और कुंदरकी की वोटिंग और मतगणना के सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक किए जाएं ।

वाला था । उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने उच्चर में वही प्रयोग किया, जिसकी शुरुआत उत्तर प्रदेश में की गई थी । सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा की राजनीति अराजकता फैलाने वाली है और चुनाव के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किए गए दावे भी सवालों के घेरे में हैं । चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग भाजपा के साथ भिन्नकर काम कर रहा है ।

पश्चिम बंगाल में हिंसा

पश्चिम बंगाल में भड़की हिंसा के दौरान राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्याएं, पार्टी कार्यालयों में आगजनी, घरों पर हमले और पलायन जैसी घटनाएं कानून-व्यवस्था की विफलता के साथ ही लोकतांत्रिक संस्कृति पर गहरे संकट का संकेत हैं। बंगाल में चुनाव बाद हिंसा नई घटना नहीं है, वामपंथी दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के उदय तक की यही कहानी है, पर सत्ता परिवर्तन और राजनीतिक संघर्ष की वर्तमान घटनाओं को बंगाल की उस हिंसक राजनीतिक परंपरा का हवाला देकर इस हिंसा को सामान्य नहीं कह सकते। राजनीतिक मतभेद अब वैचारिक संघर्ष न रहकर सामाजिक प्रतिशोध का रूप लेते जा रहे हैं। सबसे भयावह पहलू यह है कि हमले केवल पार्टी कार्यालयों तक सीमित नहीं, बल्कि घरों तक पहुंच रहे हैं। जब परिवार, महिलाएं और बच्चे राजनीतिक संघर्ष की कोमत चुकाने लगे, तब यह केवल राजनीतिक संकट नहीं, सामाजिक विघटन का संकेत होता है। किसी भी लोकतंत्र में चुनाव जनादेश का उत्सव होना चाहिए, भय और बदले का नहीं। इस संदर्भ में नेताओं की भाषा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

ममता बनर्जी के चुनाव परिणामों और चुनाव आयोग को लेकर आक्रामक तथा अडिगल रुख को उनके समर्थकों ने किस रूप में लिया, यह गंभीर प्रश्न है। जब शीर्ष नेतृत्व लगातार यह संदेश दे कि जनादेश ‘छीन’ लिया गया है, तो कार्यकर्ताओं में उग्रता बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी ओर भाजपा नेताओं की भाषा भी संर्यमित नहीं रही। यह कहना कि ‘सबका साथ, सबका विकास के बाद अब सबका हिसाब होगा’ निश्चित रूप से उत्तेजक और प्रतिशोधात्मक संदेश देता है। लोकतंत्र में ‘हिसाब’ चुनाव से होता है, सड़क की हिंसा से नहीं। सुरक्षा तंत्र की विफलता और भी गंभीर मसला है। चुनाव से पहले भारी केंद्रीय बलों की तैनाती की गई थी। कहा गया कि कोलकाता में मणिपुर से भी अधिक सुरक्षाबल मौजूद हैं। गुह मंत्रालय ने दूरदर्शिता दिखाते हुए चुनाव के बाद भी केंद्रीय बल बनाए रखने का निर्णय लिया था। इसके बावजूद यह हिंसा भड़कती है, फैलती है और हत्याओं तक पहुंच जाती है, तो यह केवल राजनीतिक दलों की नहीं, प्रशासनिक तंत्र की भी असफलता है। बाईं लाख सुरक्षाबलों और स्थानीय पुलिस की मौजूदगी के बावजूद यदि खुफिया तंत्र हिंसा की आशंका नहीं भांप पाया, तो जवाबदेही तय होनी ही चाहिए। भाजपा का यह आरोप कि हतोत्साहित तृणमूल कार्यकर्ता हिंसा फैला रहे हैं, आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन राजनीतिक हिंसा अक्सर एकतरफा नहीं होती; प्रतिशोध और प्रतिक्रिया का चक्र दोनों पक्षों को इसमें शामिल कर देता है। यदि तृणमूल के कार्यालय और कार्यकर्ता अधिक निशाने पर हैं, तो यह भी संभव है कि हिंसा बहुपक्षीय रूप ले चुकी हो।

केंद्र सरकार संवैधानिक सीमाओं के भीतर अतिरिक्त बल, त्वरित गिरफ्तारी, संयुक्त नियंत्रण कक्ष और राज्य सरकार पर अधिक दबाव जैसे कदम पहले उठा सकती थी। अब भी आवश्यकता संयुक्त शांति प्रयास है। संभव है गुहमंत्री पहुंचने तक हिंसा रुक जाए। फिलहाल बंगाल को यह समझना होगा कि हिंसा से कोई स्थायी सियासी सफलता नहीं मिल सकती। यदि राजनीतिक दल अपने कार्यकर्ताओं को संयम नहीं सिखा सके, तो अंततः सबसे बड़ी हार जनता और लोकतंत्र दोनों की होगी।

प्रसंगवश

पैरानॉयड डिसऑर्डर मतलब खामोश संकेत, बड़ा खतरा

कभी-कभी एक खबर सिर्फ सूचना नहीं होती, बल्कि समाज के भीतर छिपी किसी गहरी दराक को उजागर कर देती है। उत्तर प्रदेश के कानपुर में घटी वह घटना, जहां एक पिता ने अपनी ही जुड़वा बेटियों की हत्या कर दी। ऐसी ही एक सच्चाई को सामने लाती है। विभिन्न रिपोर्ट्स में सामने आई जानकारी के अनुसार वह अपनी पत्नी पर शक करता था, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह केवल ‘शक’ था या फिर एक ऐसी मानसिक अवस्था, जिसे हमने समय रहते पहचाना ही नहीं? हम आज भी भावनात्मक असुरक्षा और मानसिक बीमारी के बीच के अंतर को समझने में चूक रहे हैं। पैरानॉयड डिसऑर्डर केवल एक शब्द नहीं बल्कि एक ऐसी स्थिति है, जहां व्यक्ति का मन धीरे-धीरे अपने ही बनाए संदेहों की कैद में बंद हो जाता है। उसे हर चेहरा संदिग्ध लगता है, हर व्यवहार में धोखा दिखाई देता है और हर रिश्ता असुरक्षित प्रतीत होता है। यह

केवल सोच नहीं, बल्कि एक विकृत यथार्थ है, जिसमें व्यक्ति जीने लगता है। वह अपने ही मन की आवाज को सच मान लेता है और बाहरी दुनिया की हर बात उसे झूठ लगाने लगती है। ऐसे में उसके निर्णय तर्क से नहीं बल्कि डर और भ्रम से संचालित होते हैं और यही स्थिति कभी-कभी त्रासदी का रूप ले लेती है।

पैरानॉयड डिसऑर्डर की एक बड़ी समस्या यह है कि व्यक्ति खुद को बीमार नहीं मानता। उसे लगता है कि उसकी सोच सही है और बाहरी दुनिया की हर बात उसे झूठ लगाने लगती है। ऐसे में उसके निर्णय तर्क से नहीं बल्कि डर और भ्रम से संचालित होते हैं और यही स्थिति कभी-कभी त्रासदी का रूप ले लेती है। पैरानॉयड डिसऑर्डर की एक बड़ी समस्या यह है कि व्यक्ति खुद को बीमार नहीं मानता। उसे लगता है कि उसकी सोच सही है और

बाकी लोग गलत हैं। यही कारण है कि वह इलाज से बचता है और परिवार भी कई बार इसे ‘जिद’ या ‘स्वभाव’ समझकर नजरअंदाज कर देता है। धीरे-धीरे यह स्थिति और गंभीर हो जाती है। पुरुषों में यह विकार अक्सर अधिकार और नियंत्रण के रूप में सामने आता है। पत्नी की स्वतंत्रता, उसकी बातचीत, उसके संबंध हर चीज पर संदेह करना धीरे-धीरे एक आदत नहीं, बल्कि मानसिक जकड़न बन जाता है। समस्या तब और गहरी हो जाती है, जब समाज इस व्यवहार को ‘सामान्य’ या ‘पुरुष स्वभाव’ कहकर स्वीकार कर लेता है। यही सामाजिक स्वीकृति इस विकार को पहचानने में सबसे बड़ी बाधा बनती है। उत्तर प्रदेश की घटना इसी अन्देखी का चरम परिणाम है, जहां शक ने संवेदना को निगल लिया।

महिलाओं के संदर्भ में भी यह समस्या कम गंभीर नहीं है। कई बार महिलाएं भी पैरानॉयड सोच का शिकार हो जाती हैं, जहां वे अपने पति या परिवार के अन्य सदस्यों पर बिना कारण संदेह करने लगती हैं। उदाहरण के तौर पर, कुछ मामलों में महिला को यह विश्वास हो जाता है कि उसका पति उसे धोखा दे रहा है, भले ही उसके पास कोई प्रमाण न हो। यह संदेह धीरे-धीरे उसके मानसिक संतुलन को बिगाड़ता है और रिश्तों में तनाव पैदा करता है। एक और महत्वपूर्ण उदाहरण प्रसव के बाद की मानसिक स्थिति से जुड़ा है। पोस्टपार्टम साइकोसिस जैसी अवस्था में कुछ महिलाओं में पैरानॉयड भावना विकसित हो सकते हैं। उन्हें लग सकता है कि कोई उनके बच्चे को नुकसान पहुंचाएगा या परिवार उनके खिलाफ साजिश कर रहा है। इस मानसिक भ्रम के कारण वे असामान्य और कभी-कभी खतरनाक व्यवहार कर सकती हैं। देश और दुनिया में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां मानसिक असंतुलन के कारण मां ने अपने ही बच्चे को नुकसान पहुंचाया। ये उदाहरण यह स्पष्ट करते हैं कि यह विकार केवल पुरुषों तक सीमित नहीं है, यह एक व्यापक मानसिक स्वास्थ्य समस्या है।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)



शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिसका उपयोग आप दुनिया

को बदलने के लिए कर सकते हैं।

–नेल्सन मंडेला, पूर्व राष्ट्रपति, दक्षिण अफ्रीका

सोमनाथ और भारत की अजेय भावना



नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री

वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं, जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनुभूति करता है। हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है: प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है। जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा। यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान

आमने

अगर स्मार्ट मीटर में बेईमानी हो सकती है, तो ईवीएम कैसे सुरक्षित है? ईवीएम में बेईमानी क्यों नहीं हो सकती? भाजपा झूठ की सोन पापड़ी है। एक झूठ की परत के ऊपर दूसरी परत बढ़ा देती है।।प्रोपेगंडा भाजपा का टार्गेटेड कैंपेन है।। वो जनता को डराकर चुनाव लड़ती है।

–अखिलेश यादव : –अनिल राजभर सपा मुखिया

समाजवादी पार्टी के मुखिया की हालिया प्रेस

कोंग्रेस में (बंगाल) हार की बौखलाहट और फ्रस्ट्रेशन साफ उनके चेहरे पर दिखाई दे रहा है। अखिलेश यादव चुनावी हार के बाद मनगढ़ंत तरीके से ईवीएम और चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं,

जबकि यह कोई नई बात नहीं है।

सामने

‘नमामि’ मिशन की जमीनी हकीकत

राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (नमामि) के तहत भारत की विशाल पांडुलिपि संपदा के डिजिटलीकरण की दिशा में पिछले दो दशकों में उल्लेखनीय पहल की गई है। वर्ष 2024 के बाद इसे ‘ज्ञान भारतम् मिशन’ के रूप में पुनर्गठित किया गया, जिससे अपेक्षा थी कि यह प्रयास और राज्यवार सटीक और अद्यतन सार्वजनिक डाटा अभी भी एकीकृत रूप में उपलब्ध आगे बढ़ेगा। परंतु जमीनी स्तर पर स्थिति अब भी असमान है और यह पहल अनेक संरचनात्मक तथा प्रशासनिक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है।

हाल के दिनों में बिहार एवं देश अन्य हिस्सों से यह समाचार मिल रहे हैं कि जिला प्रशासन की पहल पर सैकड़ों वर्ष पुरानी पांडुलिपियों को डिजिटलीकरण के लिए एकत्र किया जा रहा है। यह पहल पहली दृष्टि में अत्यंत सकारात्मक और स्वागतयोग्य प्रतीत होती है, क्योंकि इससे स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ती है, किंतु इसके साथ यह आशंका भी जुड़ी रहती है कि कहीं यह प्रयास केवल औपचारिकता या सोशल मीडिया पर प्रचार तक सीमित न रह जाए।

इतिहास में जब भी प्रशासनिक स्तर पर विरासत संरक्षण की बात होती है, तो अलेक्जेंडर कनिंघम जैसे उदाहरण याद आते हैं, किंतु समकालीन संदर्भ में यह भी स्पष्ट है कि कुछ अपवादों को छोड़कर प्रशासनिक तंत्र में इस दिशा में दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का अभाव रहा है। यही कारण है कि अनेक योजनाएं प्रारंभ तो होती हैं, परंतु उनमें निरंतरता और संस्थागत स्थायित्व नहीं बन पाता।

डिजिटलीकरण के संदर्भ में ‘कृति संपदा’ जैसे राष्ट्रीय डेटाबेस के माध्यम

से लाखों पांडुलिपियों का पंजीकरण किया गया है। भंडारकर प्राच्य अनुसंधान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय तथा अन्य पांडुलिपि संसंधान केंद्रों में स्कैनिंग, मेटाडेटा निर्माण और संरक्षण का कार्य जारी है। इसके बावजूद, पांडुलिपियों का राज्यवार सटीक और अद्यतन सार्वजनिक डाटा अभी भी एकीकृत रूप में उपलब्ध नहीं है, क्योंकि यह प्रक्रिया निरंतर चल रही है और विभिन्न संस्थानों के माध्यम से चरणबद्ध ढंग से अद्यतन होती रहती है।

उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार, पांडुलिपियों की अधिकतम संख्या तमिलनाडु, केरल, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में पाई जाती है, जहां मंदिरों, मठों और निजी संग्रहों में इनका विशाल भंडार सुरक्षित है। वहीं राजस्थान और गुजरात में जैन तथा संस्कृत पांडुलिपियों की समृद्ध परंपरा है। उत्तर प्रदेश और बिहार में ऐतिहासिक पुस्तकालयों और विद्वत केंद्रों के कारण उल्लेखनीय संग्रह मौजूद हैं, जबकि पश्चिम बंगाल और जम्मू कश्मीर में तिब्बती, फारसी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की पांडुलिपियां महत्वपूर्ण हैं।

कुल मिलाकर, भारत में लगभग 45–50 लाख पांडुलिपियों का अनुमान है, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा अभी भी अपंजीकृत या निजी हाथों में है। ऐसे में ‘ज्ञान भारतम् मिशन’ का कार्य केवल संग्रह तक सीमित नहीं है, बल्कि इन विविध स्रोतों को एकीकृत कर एक विश्वसनीय राष्ट्रीय डेटाबेस तैयार करना भी है। इसके बावजूद, इस विशाल संख्या की तुलना में डिजिटलीकरण की गति अभी भी धीमी है। कई परियोजनाएं तकनीकी उन्नयन, सतत वित्तपोषण और

डेटा की सार्वजनिक उपलब्धता के अभाव में अधूरी रह जाती हैं।

इस पूरी प्रक्रिया में सबसे बड़ी बाधा देश के अधिकांश पुस्तकालयों की जर्जर स्थिति है। बड़े और प्रतिष्ठित संस्थानों को छोड़ दे तो जिला, विश्वविद्यालय और निजी संग्रहालयों में बुनियादी अवसरंचना का अभाव है। नियंत्रित तापमान, आर्द्रता प्रबंधन, प्रशिक्षित संरक्षक और उच्च गुणवत्ता वाले स्कैनिंग उपकरणों की कमी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। कई पुस्तकालय आज भी पारंपरिक सूचीकरण तक सीमित हैं और कुछ स्थानों पर तो न्यूनतम स्टाफ की उपलब्धता नहीं है। परिणामस्वरूप, वित्तीय संसाधनों की कमी डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को गंभीर रूप से प्रभावित करती है।

मानव संसाधन का संकट भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पांडुलिपि विज्ञान और संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित विशेषज्ञों की संख्या अत्यंत सीमित है। यद्यपि मिशन द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, परंतु उनका प्रभाव और विस्तार अभी पर्याप्त नहीं है।

आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो नमामि की सबसे बड़ी चुनौती ‘नीति और क्रियान्वयन के बीच का अंतर’ है। एक ओर इसकी परिकल्पना व्यापक और दूरदर्शी है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर संस्थागत समन्वय, तकनीकी मानकीकरण और सतत वित्तपोषण का अभाव इसकी गति को सीमित करता है। डिजिटलीकरण के बाद भी डेटा की ओपन-एक्सेस उपलब्धता सीमित है, जिससे शोधार्थियों और आम जनता को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

वैचारिकी

8

सोशल फोरम

प्रोफेसरों के नोट्स

हमारे यहां के प्रोफेसरों का आलम यह है कि वे एक ही विषय को सालों साल पढ़ाते रहते हैं। उनके पढ़ाने में कोई बेहतरी नजर नहीं आती। कोई नई अंतर्वस्तु नजर नहीं आती। उनके क्लास नोट्स में कोई नयापन या नई ठोस सामग्री और समझ नहीं होती। इसके विपरीत स्थितियां देखें, मैं इन दिनों मिशेल फूको के



जगदीश्वर चट्टोपदी

पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग कलकत्ता यूनिवर्सिटी

के कक्षा में दिए गए व्याख्यान या यों कहें क्लास नोट्स पढ़ रहा हूं, उनमें गजब की मेहनत नजर आती है।

मिशेल फूको College de France में 1971 से लेकर मृत्यु पर्यंत प्रोफेसर रहे, वहां नियम था कि प्रोफेसर को साल में 26 घंटे पढ़ाना है, इनमें आधे समय उनको सेमीनार के रूप में बोलना होता है और हर साल नई रिसर्च करके पढ़ाना होता था। वहां पाठ्यक्रम एकदम खुले होते थे, किसी क्रिस्म के नामांकन की जरूरत नहीं

होती थी, शर्त एक होती थी जो विषय चुना है, उस पर हर साल नया शोध करके लेक्चर दो। इस क्रम में मिशेल फूको के क्लास नोट्स सामने आए।

अब तस्वीर का दूसरा पहलू देखें। हिंदी में जो आए दिन फूको-फूको करते रहते हैं या फिर पश्चिम के विद्वानों को उद्धृत करके किताबें लिखते रहते हैं, व्याख्यान देते रहते हैं, उनमें से अधिकांश तो ठीक से कक्षा में पूरे समय पढ़ाने तक नहीं जाते, उनके क्लास नोट्स मिल जाएं तो आपको शर्मिंदा होना पड़ेगा।

मसलन, नामवर सिंह के क्लास नोट्स प्रकाशित हो चुके हैं, वे किसी भी तरह एक प्रोफेसर के नोट्स नहीं लगते। खासकर एक ऐसे प्रोफेसर के नोट्स तो एकदम नहीं लगते, जो दुनियाभर के साहित्य का गंभीर अध्येता रहा हो। हिंदी में रामचंद्र शुक्ल के साहित्य इतिहास को देखें या फिर हजारी प्रसाद द्विवेदी के दिए गए व्याख्यानों को देखें, तो एकदम नए क्रिस्म का अध्यापकीय विवेक और शोधदृष्टि सामने आती है।

रामचंद्र शुक्ल ने एमए हिंदी के विद्यार्थियों को इतिहास पढ़ाते समय जो नोट्स बनाए, उनके आधार पर बाद में हिंदी साहित्य का इतिहास नामक महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखा। द्विवेदी ने आदिकाल नामक किताब में अपने व्याख्यान शामिल किए हैं, इनमें एकदम नई सामग्री है, यही स्थिति उनकी व्याख्यानों की किताब मध्यकालीन बोध का स्वरूप की है। वहां पर मध्यकाल पर एकदम नए नजरिए से विचार किया गया है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी



एनसीईआरटी किताबें विवादों में घिरी

नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी), 2020 के तहत विकसित किया गया नेशनल कॉरिकुलम फ्रेमवर्क (एनसीएफ), 2023 भारत में स्कूली शिक्षा के लिए एक विस्तृत गाइडलाइन है, इसका मकसद छात्रों को इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों के लिए तैयार करना है, जिसमें होलिस्टिक डेवलपमेंट, कॉम्पिटेंसी-बेस्ड लर्निंग और इनक्लूसिविटी अर्थात समावेशिता पर जोर दिया गया है। स्कूली शिक्षा को चार चरणों में बांटा गया है। फाउंडेशनल (3-8 वर्ष), प्रिपरेटरी (8-11 वर्ष), मिडिल (11-14 वर्ष) और सेकेंडरी (14-18 वर्ष) कॉम्पिटेंसी-बेस्ड लर्निंग यानी रेटो मेमोराइजेशन के बजाय कौशल आधारित शिक्षा पर जोर, फर्नकिसबल सब्जेक्ट चॉइस यानी सेकेंडरी स्तर पर छात्रों को विषय चुनने की आजादी, होलिस्टिक डेवलपमेंट यानी शारीरिक, भावनात्मक और बौद्धिक विकास पर ध्यान और इनक्लूसिविटी मायने

सभी छात्रों के लिए समान अवसर तय करना है, नतीजतन उद्देश्य स्कूल पाठ्यक्रम और पठन-पाठन की सामग्री को विकसित है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की क्लास एक से लेकर आठ तक नई किताबें बाजार में आने के साथ ही विवादों का सिलसिला भी शुरू हो गया है। मुद्दा एक नहीं लोगों को कई चीजों पर ऐतराज है। एनसीईआरटी पर इतिहास को सांप्रदायिक दृष्टिकोण से पेश करने के आरोप लग रहे हैं। मुगल साम्राज्य के बारे में कुछ अध्यायों को

हटाने का फैसला किया गया, जिसका इतिहासकारों और शिक्षकों ने विरोध किया। देश के कई शहरों में एनसीईआरटी की नकली किताबों का खज्ीरा बरामद हुआ, जिससे शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे हैं,

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने आठवीं क्लास की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार नामक एक खंड का स्वतः संज्ञान लिया था। अदालत ने इस पाठ्यपुस्तक की भौतिक या ऑनलाइन प्रतियों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी थी।

वर्तमान, नये शैक्षणिक सत्र की किताबें मार्केट में हैं। पहले एनसीईआरटी की फाउंडेशनल से लेकर मिडिल क्लासों की भाषाई पाठ्य पुस्तकों के नाम भारतीय संगीत वाद्ययंत्रों और क्लासिकल रागों के नाम पर रखे जाने पर आपत्ति जताई गई। अब नई किताबों में पुरानी किताबों के कुछ संदर्भ न होने को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। सातवीं की सोशल साइंस की किताब में मुगलों व दिल्ली सल्तनत के संदर्भों को हटा दिया गया है। भारतीय राजवंशों पर चैप्टर, महाकुंभ का संदर्भ, मेक इन इंडिया, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, चार धाम, धार्मिक यात्राओं जैसी योजनाओं के बारे में बताया गया है।

सोशल साइंस की नई किताब में मगध, मौर्य, शुंग और सातवाहन जैसे प्राचीन भारतीय राजवंशों पर नए चैप्टर शामिल किए गए हैं। पवित्र भूगोल (सेकेंड साइट) अब दुनिया भर में एक मान्यता प्राप्त एकेडेमिक डिसिप्लिन है, भारत के अनूठे मामले पर कई अध्ययन हुए हैं। स्वतंत्रता के बाद से ही कई शैक्षिक आयोगों और शिक्षाविदों ने हमारे बच्चों में राष्ट्रीय एकीकरण की भावना पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यह चैप्टर ऐसी भावना विकसित करने के कई संभावित तरीकों में से एक है। एनसीईआरटी किताब का टाइटल आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, ब्रह्मगुप्त और श्रीनिवास रामानुजन जैसे महान भारतीय गणितज्ञों के योगदान से बनाया गया है। देश के हर राज्य की संस्कृति को किताबों के माध्यम से बताया गया है। किताब के एक चैप्टर ऑल इंडियंस में बारह राज्यों के बारे में जानकारी दी गई है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

वैज्ञानिकों ने काफी समय तक निगरानी करते हुए मालूम किया है कि रात में खाने के लिए शिकार ढूँढने वाले जीव-जंतु चांदनी रातों में बेहतरी से और अधिक ऊर्जा से शिकार करते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि चांदनी ही उन्हें अतिरिक्त शक्ति प्रदान करती है। यह स्टडी साइंस एडवांसेज जर्नल पहली मई 2026 के अंक में 'मूनलाइट ड्राइव्स द एनर्जी बैलेंस एंड एनुअल साइकिल ऑफ नॉक्टर्नल फोरेजर' शीर्षक से स्पेन के साथ वैज्ञानिकों ने संयुक्त रूप से प्रकाशित की है। इस स्टडी की अहमियत पक्षियों के रात्रिकालीन व्यवहार, इनकी फिटनेस, शिकार पकड़ने की शक्ति के संचय के लिए चांदनी के प्रकाश की जरूरत और पारिस्थिकी संतुलन के लिए मानी गई है।

नाइटजार पक्षी

नाइटजार एक विश्वव्यापी समूह है, जिसमें ऐसे हवाई कीटपक्षी पक्षी शामिल हैं, जो सुबह और शाम के धुंधलके में या रात में सक्रिय रहते हैं। ये मुख्य रूप से कम रोशनी वाली स्थितियों में भोजन की तलाश करते हैं और दिन के समय बिना हिले-डुले आराम करते हैं, जिससे ये जीवों के व्यवहार और शारीरिक बनावट पर चंद्रमा की रोशनी के प्रभावों की जांच करने के लिए एक बेहतरीन माध्यम बन जाते हैं। कई प्रजातियों पर किए गए पिछले अध्ययनों में चंद्रमा के चक्र और रोजाना भोजन की तलाश करने की गतिविधि, साथ ही प्रजनन और प्रवास जैसे ऊर्जा की ज्यादा खपत वाले वार्षिक जीवन-इतिहास की के समय के बीच संबंध पाए गए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि चंद्रमा की रोशनी ऊर्जा प्राप्त करने की प्रक्रिया पर समय-समय पर कुछ सीमाएं लगा सकती है। हालांकि चंद्रमा की रोशनी को किसी जीव की व्यक्तिगत गतिविधि, ऊर्जा के बंटवारे और जीवन-इतिहास से जुड़े फैसलों से जोड़ने वाले तंत्रों को अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है। नाइटजार सुबह और शाम के धुंधलके में भोजन की तलाश के छोटे-छोटे समय-अंतरालों के दौरान कीड़ों को पेट भर खा सकते हैं और शरीर के तापमान में अस्थायी कमी (जिसे 'टॉरपोर' कहते हैं) करके अपनी चयापचय लागत को कम कर सकते हैं। ये ऐसी रणनीतियां हैं, जो संभवतः उन्हें बिना चंद्रमा वाली रातों में भोजन की तलाश के लिए मिलने वाले बहुत ही कम समय का सदुपयोग करने में सक्षम बनाती हैं। ये सभी विशेषताएं मिलकर नाइटजार पक्षियों को एक बेहतरीन मॉडल के रूप में स्थापित करती हैं,

वैज्ञानिक फैक्ट

अंतरिक्ष में डकार लेना क्यों होता है मुश्किल

पृथ्वी पर डकार लेना एक सामान्य शारीरिक प्रक्रिया है। जब हम भोजन करते हैं या पानी पीते समय हवा निगल लेते हैं, तो वह गैस पेट में जमा हो जाती है और बाद में डकार के रूप में बाहर निकलती है। यहाँ गुरुत्वाकर्षण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भोजन और तरल पदार्थों को पेट के निचले हिस्से में बनाए रखता है, जबकि गैस ऊपर की ओर आ जाती है और आसानी से मुंह के रास्ते बाहर निकल जाती है। वहीं अंतरिक्ष में स्थिति बिल्कुल अलग होती है। वहां लगभग शून्य गुरुत्वाकर्षण यानी माइक्रोग्रैविटी होती है। ऐसी अवस्था में गैस, तरल और ठोस पदार्थ अलग-अलग परतों में नहीं बंट पाते। परिणामस्वरूप पेट में मौजूद हवा भोजन और तरल के साथ मिश्रित रहती है। यही कारण है कि अंतरिक्ष यात्री सामान्य तरीके से डकार नहीं ले पाते। यदि वे डकार लेने की कोशिश करें, तो गैस के साथ पेट का तरल पदार्थ और भोजन भी मुंह तक आ सकता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'वेट बप' कहा जाता है, जो काफी असहज अनुभव हो सकता है। इसी वजह से अंतरिक्ष यात्रियों के खानपान पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्हें ऐसे खाद्य पदार्थ कम दिए जाते हैं, जो पेट में ज्यादा गैस बनाते हों, जैसे कार्बोनेटेड ड्रिंक्स या अत्यधिक मसालेदार भोजन। अंतरिक्ष मिशनो में भोजन को इस प्रकार तैयार किया जाता है कि वह आसानी से पच जाए और

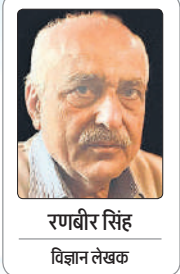


गैस की समस्या कम पैदा करे। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार, अंतरिक्ष में केवल डकार ही नहीं, बल्कि शरीर की कई सामान्य प्रक्रियाएं भी बदल जाती हैं। उदाहरण के लिए, माइक्रोग्रैविटी के कारण शरीर के तरल पदार्थ ऊपर की ओर खिसकने लगते हैं, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों का चेहरा सूजा हुआ दिखाई देता है। वहीं पैरों में रक्त और तरल कम पहुंचता है। अंतरिक्ष में पाचन तंत्र भी पृथ्वी की तुलना में अलग तरीके से काम करता है। कई अंतरिक्ष यात्रियों ने बताया है कि वहां भोजन का स्वाद थोड़ा फीका लगता है, क्योंकि शरीर के तरल ऊपर आने से नाक बंद जैसी स्थिति बन जाती है। यही कारण है कि अंतरिक्ष यात्री अधिक तीखे और मसालेदार भोजन को पसंद करने लगते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि लंबे अंतरिक्ष मिशनो जैसे मंगल ग्रह की यात्रा के लिए मानव शरीर पर माइक्रोग्रैविटी के प्रभावों को समझना बेहद जरूरी है। डकार जैसी छोटी लगने वाली प्रक्रिया भी अंतरिक्ष विज्ञान में महत्वपूर्ण शोध का विषय बन चुकी है। यह दिखाता है कि पृथ्वी पर सामान्य दिखने वाली हमारी कई शारीरिक क्रियाएं वास्तव में गुरुत्वाकर्षण पर कितनी निर्भर हैं।



अमृत विचार

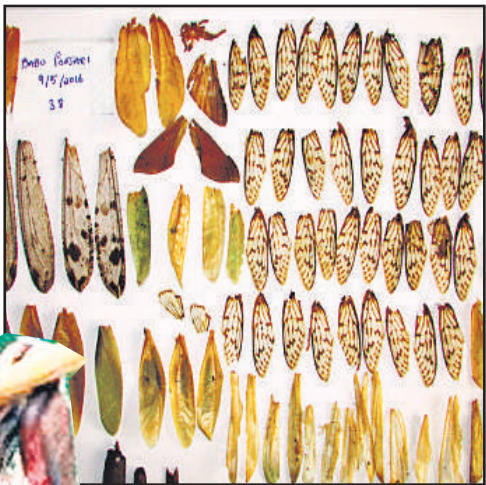
चूरे का



रणबीर सिंह

विज्ञान लेखक

शिकारी जीवों को ताकत देती है चांदनी



जिससे यह समझने में मदद मिलती है कि चंद्रमा के चक्र किस तरह रात में सक्रिय रहने वाले जीवों के व्यवहार, शरीर-क्रिया विज्ञान और जीवन-इतिहास से जुड़े समझौतों को प्रभावित करते हैं। लाल गर्दन वाले नाइटजारों (Caprimulgus ruficollis, जिन्हें आगे नाइटजार कहा जाएगा) का अध्ययन किया गया। उद्देश्य यह समझना था कि चंद्रमा का चक्र उनकी रोजाना की भोजन खोजने की आदतों और सफलता

को कैसे प्रभावित करता है। भोजन खोजने के दौरान चांदनी से जुड़ी बाधाएं किसी पक्षी के ऊर्जा भंडार और ऊर्जा बचाने वाले तरीकों (जैसे कि 'टॉरपोर' या सुप्तावस्था) के इस्तेमाल पर कैसे असर डालती हैं, और ये प्रभाव किस तरह मिलकर वार्षिक जीवन-चक्र की मुख्य घटनाओं जैसे कि प्रजनन, पंख झड़ना और प्रवास को एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाने में मदद करते हैं। भोजन खोजने में मिली सफलता, ऊर्जा की प्राप्ति और प्रजनन व पंख झड़ने के लिए समय के बंटवारे का आकलन करने के लिए, शोधकर्मियों ने स्पेन के 'दोनाना' क्षेत्र से 2011 से 2020 के बीच इकट्ठा किए गए लंबे समय के क्षेत्रीय आंकड़ों का उपयोग किया। उड़ान संबंधी गतिविधियों, टॉरपोर की स्थिति और प्रवास के समय पर नजर रखने के लिए सन् 2016 से 2020 के दौरान 74 वयस्क नाइटजारों पर विशेष रूप से तैयार किए गए छोटे आकार के 'मल्टीसेंसर डेटा लॉगर' लगाए गए थे। इसके अलावा, पांच अन्य पक्षियों पर 'ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम' लॉगर भी लगाए गए थे।

चंद्रमा की रोशनी से जुड़ी प्रतिक्रियाएं

ज्यादातर जीव-जंतु कई समय-सीमाओं में होने वाले समय-समय पर होने वाले पर्यावरणीय बदलावों का सामना करते हैं। ये बदलाव आकाशीय पिंडों की घूमने और अपनी जगह बदलने वाली गतियों के कारण भी होते हैं, जिससे जीवों में भू-भौतिकीय चक्रों के हिसाब से ढलने की क्षमता विकसित होती है। इन बदलावों में, उदाहरण के लिए, प्रजनन और जीवित रहने के लिए संसाधनों की तलाश में मौसम के हिसाब से एक जगह से दूसरी जगह जाना, संसाधनों की बहुतायत के समय ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा लेने के लिए पाचन क्रिया को समायोजित करना और उपवास के दौरान ऊर्जा बचाने के लिए शरीर के तापमान और चयापचय दर में नियंत्रित कमी करना शामिल है। चमगादड़ से लेकर गीदड़, मेंढक, लोमड़ी और सांप जैसे रात में सक्रिय रहने वाले जीवों के लिए चंद्रमा का चक्र, रात की रोशनी का एक दोहराया जाने वाला पैटर्न बनाता है, जो उनके व्यवहार, शारीरिक बनावट और जीवन-इतिहास की विशेषताओं को आकार देता है। चंद्रमा की रोशनी से जुड़ी प्रतिक्रियाएं हवा, जमीन और पानी के पारिस्थितिक तंत्रों में अलग-अलग पोषण स्तर पर दर्ज की गई हैं, जिससे यह पता चलता है कि चंद्रमा का चक्र वैश्विक स्तर पर पारिस्थितिक प्रक्रियाओं को प्रभावित कर सकता है। इसके बावजूद, जीवों की पारिस्थितिकी और विकास पर चंद्रमा के चक्र के प्रभावों को अभी भी ठीक से समझा नहीं गया है, क्योंकि रात में खुले वातावरण में रहने वाले जीवों का अध्ययन करने में कई तरह की स्वाभाविक चुनौतियां आती हैं।

क्या कहते हैं शोध

शोध के नतीजों से नाइटजार में चांद के समय के हिसाब से कई अडैप्शन होने और उनके आपस में तालमेल बिठाने का सपोर्ट मिलता है, जिससे वे अमावस्या के आसपास अकाल का समय झेल पाते हैं। इन अडैप्शन में हाइपोथर्मिया में जाने की क्षमता, शरीर के रिजर्व को साइकल के हिसाब से फिर से भरना और थोड़े समय के लिए बहुत ज्यादा खाना स्टोर करने की क्षमता बनाए रखना शामिल है। हम दिखाते हैं कि चांद से जुड़े ऐसे काउंटरमेजर का इस्तेमाल सिर्फ थोड़ा या कुछ समय के लिए किया जाता है, शायद फिटनेस कॉस्ट के कारण जो सालाना साइकिल में अलग-अलग होती है, जिसके नतीजे में जीवन-इतिहास की घटनाओं का चांद के साथ पहले से तय सिंक्रोनाइजेशन होता है।

नाइटजार कीड़ों के शिकारी और बड़े जानवरों के शिकार, दोनों के तौर पर एक अहम ट्रॉफिक जगह रखते हैं अर्थात् भोजन को एक इनाम के तौर से प्राप्त करना। इसलिए, चांद की वजह से होने वाले उनके रोजाना के खाने की एक्टिविटी और एनर्जी बैलेंस में उतार-चढ़ाव कम्युनिटी में फैल सकते हैं, जिससे शिकार की आबादी और शिकारी-शिकार के बीच बातचीत पर इनडायरेक्ट असर पड़ सकता है और आखिर में, बड़े इकोसिस्टम के काम करने के तरीके पर भी असर पड़ सकता है।

यह स्टडी अंधेरे में जीवन के लिए चांदनी की अहमियत को दिखाती है और ऐसे संभावित अडैप्शन का पता लगाती है, जो जीवों को रात के समय की जगह का फायदा उठाने में मदद करते हैं। यह रात में रहने वाले जीवों की सालाना साइकिल ट्रैकिंग स्टडीज में इकोलॉजिकल एनर्जी को शामिल करने की जरूरत पर भी जोर देता है, जो रात की इकोलॉजी को आगे बढ़ाने के लिए एक जरूरी कदम है, खासकर तब जब दुनियाभर में ज्यादा से ज्यादा स्पीसीज रात में रहने वाले जीव बन रहे हैं। अपने आसपास भी हम पक्षियों के व्यवहार में कुछ परिवर्तन देख सकते हैं जोकि शहरी इलाकों, शहर के बाहरी इलाकों और खेतों में विचरण करने और घोंसला बनाकर संतानोत्पत्ति के कार्य में व्यस्त रहते हैं। भारत में ऐसे अध्ययन किए गए हैं। यह भी देखा गया है कि माइग्रेटरी बर्ड्स ज्यादातर चांदनी रातों में ही एक से दूसरे स्थान पर बहुत लंबी दूरी तक उड़ते हैं। सन् 2000 में मदुरै कामराज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चमगादड़ों पर ऐसा ही एक अध्ययन लंदन से प्रकाशित जूलांजी जर्नल में किया था। इसमें यह भी बताया गया कि शहरों के आकाश में कृत्रिम विद्युत रोशनी की चमक इन रात्रिकालीन शिकारियों के व्यवहार और इनके ब्रीडिंग और फोरेजिंग पैटर्न पर विपरीत असर डालती है।

अमेजन जंगल क्यों माना जाता है रहस्यमयी

अमेजन का वर्षावन, जिसे 'पृथ्वी का फेफड़ा' भी कहा जाता है, सदियों से मानव जाति के लिए कौतूहल और रहस्य का केंद्र रहा है। दक्षिण अमेरिका के नौ देशों में फैला यह विशाल जंगल न केवल अपनी जैव-विविधता के लिए जाना जाता है, बल्कि यहां छिपे अनगिनत अनसुलझे रहस्य इसे दुनिया के सबसे रहस्यमयी जगहों में से एक बनाते हैं। अमेजन में पौधों और जीवों की इतनी प्रजातियां हैं कि वैज्ञानिकों का मानना है कि हमने अभी तक केवल 10 प्रतिशत हिस्से को ही समझा है। हर साल यहां दर्जनों नई प्रजातियों की खोज होती है, जिससे यह सवाल उठता है कि इस घने अंधेरे विस्तार में और क्या-क्या छिपा हो सकता है?

'उबलती हुई नदी' का रहस्य

पेरू के जंगलों के बीच 'शनाय-तिम्पिशका' (Shanay-timpishka) नाम की एक नदी बहती है, जिसका पानी खौलता रहता है। यहां का तापमान 90 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जिसमें कोई भी जीव जीवित नहीं रह सकता। सबसे रहस्यमयी बात यह है कि इस नदी के पास कोई सक्रिय ज्वालामुखी नहीं है, फिर भी इसका पानी कैसे उबलता है, यह आज भी वैज्ञानिकों के लिए शोध का विषय है।

छिपी हुई सभ्यताएं और 'एल डोरेडो'

हजारों वर्षों से यह माना जाता रहा है कि अमेजन के घने जंगलों के बीच सोने का शहर 'एल डोरेडो' छिपा है। हालांकि वह शहर तो नहीं मिला, लेकिन हालिया 'लिडार' (LiDAR) तकनीक के स्कैन से जंगल के नीचे विशाल संरचनाएं, सड़कें और नहरों के जाल मिले हैं। यह संकेत देते हैं कि प्राचीन काल में यहां एक बहुत बड़ी और विकसित सभ्यता निवास करती थी, जो अचानक विलुप्त हो गई।



जनजातियां

अमेजन दुनिया के उन चुनिंदा जगहों में से एक है, जहां आज भी ऐसी जनजातियां रहती हैं, जिनका आधुनिक दुनिया से कोई संपर्क नहीं है। ये लोग अपनी आदिम जीवनशैली में मस्त हैं और बाहरी दुनिया के लिए एक पहली बने हुए हैं। वे कौन सी भाषा बोलते हैं और उनके पास प्रकृति के क्या रहस्य हैं, यह कोई नहीं जानता।

मिट्टी के पिरामिड

हाल ही में बोलिविया और ब्राजील के जंगलों के नीचे विशाल मिट्टी के पिरामिड और ऊंचे चबूतरे मिले हैं। ये संरचनाएं दर्शाती हैं कि यहां कभी भव्य धार्मिक स्थल थे। वैज्ञानिकों को यहां इंसान द्वारा बनाई गई बेहद उपजाऊ काली मिट्टी मिली है। यह मिट्टी हजारों सालों बाद भी उपजाऊ बनी हुई है, जो इस बात का सबूत है कि प्राचीन लोग खेती की उन्नत तकनीक जानते थे।

प्रतिकूल वातावरण और 'अंधेरा'

अमेजन का घनत्व इतना अधिक है कि सूर्य की रोशनी जंगल की सतह तक मुश्किल से पहुंच पाती है। यहां का वातावरण इतना चुनौतीपूर्ण है कि आधुनिक तकनीक के बावजूद इसके कई हिस्सों में प्रवेश करना लगभग असंभव है। कई खोजकर्ता इस जंगल में गए और कभी वापस नहीं लौटे, जिससे इसके साथ 'शापित' या 'खतरनाक' होने की कहानियां जुड़ गईं।



बाजार	संसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	77,844.52	24,326.65
गिरावट	114.00	4.30
प्रतिशत में	0.15	0.02

	सोना	1,56,000 प्रति 10 ग्राम
	चांदी	2,61,500 प्रति किलो

बिजनेस ब्रीफ

नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए अदाणी ग्रीन ने किया इकाइयों का गठन

नई दिल्ली | अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन के लिए अपनी अनुषंगी कंपनी की अनुषंगी इकाइयां गठित करने की गुरुवार को जानकारी दी। एजीईएल ने शेयर बाजार को बताया कि नई इकाइयों का गठन उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी अदाणी रिन्यूएबल एनर्जी सिकरटी फोर लिमिटेड (एआरई64एल) द्वारा किया गया है। कंपनी ने कहा कि एआरई64एल स्टैप-वन रिन्यूबल एनर्जी लिमिटेड (एआरई64एसाएल) और एआरई64एल स्टैप-टू रिन्यूबल एनर्जी लिमिटेड (एआरई64एस2एल) का गठन नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन के उद्देश्य से किया गया है। अदानी ग्रीन एनर्जी बड़े पैमाने पर ग्रिड से जुड़े सौर, पवन, हाइड्रल एवं ऊर्जा भंडारण समाधानों का विकास, स्वामित्व और संचालन करती है।

एप्पल और क्लीनमैक्स करेंगे ऊर्जा क्षेत्र में 100 करोड़ रुपये का निवेश

नई दिल्ली | भारत में विभिन्न स्थानों पर ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए क्लीनमैक्स और एप्पल ने 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की साझेदारी की है। क्लीनमैक्स ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियों का लक्ष्य देश के वाणिज्यिक एवं औद्योगिक (सीएंडआई) खंड की जरूरतों को स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं की तेजाती के माध्यम से पूरा करना है। बयान में कहा गया कि एप्पल और क्लीनमैक्स ने भारत के वाणिज्यिक एवं औद्योगिक (सीएंडआई) क्षेत्र में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा तेनाती के जरिये कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में तेजी लाने के उद्देश्य से एक गणनीतिक सह-निवेश समझौता किया है।

भारत फोर्ज का शुद्ध लाभ 17% घटकर 233.45 करोड़ रुपये

नई दिल्ली | रक्षा उपकरण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारत फोर्ज लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025–26 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 17 प्रतिशत घटकर 233.45 करोड़ रुपये रहा। (कंपनी को 2024–25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में 282.62 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। भारत फोर्ज ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चौथी तिमाही में उसे कुल 98.73 करोड़ रुपये का असाधारण खर्च वहन करना पड़ा जिसमें अनुषंगी कंपनी में निवेश में कमी, श्रम संहिता का प्रभाव एवं उसकी जर्मन इकाई भारत फोर्ज सीडीपी जीएमबीएच के पुनर्गठन से जुड़े आकस्मिक खर्च शामिल हैं।

सीईएससी का चौथी तिमाही का शुद्ध लाभ 19 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली | बिजली कंपनी सीईएससी लिमिटेड का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 19 प्रतिशत बढ़कर 459 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का पिछले वर्ष की समान अवधि में शुद्ध लाभ 386 करोड़ रुपये रहा था। सीईएससी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 4,129 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले इसी तिमाही में 4,030 करोड़ रुपये थी।

एमएमटीपी-पीएमपी ने फिर शुरू किया

डिजिटल सोना-चांदी खरीद का मंच

नई दिल्ली, एजेंसी

बहुमूल्य धातुओं को परिष्कृत करने वाली कंपनी एमएमटीसी-पीएमपी डिजिटल रूप में सोने और चांदी की खरीद को फिर से शुरू कर दिया है। अब उपभोक्ता गूगल पे, पेटीएम और फोनपे जैसे साझेदार मंचों के अलावा कंपनी की वेबसाइट और एंड्रॉइड ऐप के माध्यम से सीधे डिजिटल सोने और चांदी की खरीदारी कर सकते हैं। कंपनी ने सबसे पहले 2017 में डिजिटल सोना और फरवरी, 2023 में चांदी की पेशकश की थी। हालांकि, बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव के लिए वेबसाइट को नया रूप देने के उद्देश्य से 2024 के अंत में सीधे मंच से बिक्री बंद कर दी गई थी। कंपनी के सीएमडी समित गुहा ने कहा कि डिजिटल सोना और चांदी कीमती धातुओं के उद्योग में खरीदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अब केवल उत्पादन बढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि गुणवत्ता, शेल्व लाइफ़, प्रोसेसिंग और निर्यात क्षमता को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इतना ही नहीं, भारत को वैश्विक फल बाजार में मजबूत पहचान दिलाने के लिए उत्पादन से लेकर प्रोसेसिंग, लॉजिस्टिक्स और निर्यात तक पूरी वैल्यू चेन को आधुनिक बनाना होगा।

केन्द्रीय मंत्री, गुरुवार को लखनऊ स्थित आईसीएआर—केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) में आयोजित ‘फ्रूट होराइजन 2026’ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।



लखनऊ स्थित आईसीएआर—केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) में कृषि विज्ञानी से बात करते केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान।

फ्रूट होराइजन 2026

- यूपी बनेगा प्रीमियम फल उत्पादन और निर्यात का बड़ा हब**
- गुणवत्ता, सेल्व लाइफ और निर्यात मानकों पर होगा विशेष फोकस**

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए भारतीय फलों की गुणवत्ता सुधारना बेहद जरूरी है। सरकार अब शेल्व लाइफ बढ़ाने, निर्यात के दौरान गुणवत्ता बनाए रखने और वैश्विक मानकों के अनुरूप

उत्पादन पर विशेष ध्यान दे रही है।

मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जीरो रिजेक्शन और प्रीमियम क्वालिटी वाले फलों का उत्पादन भारत को निर्यात के क्षेत्र में नई ऊंचाई तक पहुंचा सकता है।

इसके लिए आधुनिक तकनीक,

बुनियादी ढांचा सुधार से तेजी से बढ़

रहा उप्र का संपत्ति बाजार : यूपी-रेरा

2026 में 400 नई परियोजनाओं को दी जा सकती है मंजूरी, पिछले साल थीं 308

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (उप्र-रेरा) के चेयरमैन संजय आर भूसरेड्डी ने कहा है कि बुनियादी ढांचे में सुधार के चलते राज्य में संपत्ति बाजार तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि उप्र-रेरा द्वारा 2026 में 400 नई परियोजनाओं को मंजूरी दी जा सकती है। पिछले कैलेंडर साल में यह आंकड़ा 308 रहा था।

उद्योग मंडल फिक्की द्वारा आयोजित रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण के चेयरमैन भूसरेड्डी ने कहा कि राज्य का संपत्ति बाजार अब केवल लखनऊ, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद तक ही सीमित नहीं है।

उन्होंने कहा कि कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या, झांसी, हापुड़, बरेली, मेरठ, मुजफ्फरनगर और गोंडा जैसे अन्य शहरों में भी रियल एस्टेट गतिविधियों में तेजी आई है। भूसरेड्डी



ने कह कि यूपी-रेरा ने 2023 के कैलेंडर वर्ष में 197 परियोजनाओं को मंजूरी दी थी। यह संख्या 2024 में बढ़कर 259 और 2025 में 308

हो गई। इस वर्ष अब तक हमने

108 परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि पूरे 2026 में 400 से अधिक परियोजनाओं

खरीदार और विक्रेता के बीच रेरा अधिनियम के प्रति अधिक जागरूकता की आवश्यकता

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (रेरा) के चेयरमैन आनंद कुमार ने खरीदारों और विक्रेताओं दोनों के बीच रेरा अधिनियम के प्रति अधिक जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। फिक्की के पूर्व अध्यक्ष और सोमानी इम्प्रेसो ग्रुप के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संदीप सोमानी ने कहा कि निवेशकों के बढ़ते भरोसे के बीच भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र वृद्धि के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। एचडीएफसी कैपिटल एडवाइजर्स लि. के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी विपुल रूंगटा ने कहा कि भारत का दो-तिहाई रियल एस्टेट बाजार आवास क्षेत्र से संबंधित है। उन्होंने कहा कि युवा और आकांक्षी आबादी की वजह से आवासीय इकाइयों की मांग बढ़ेगी।

शिकायतों के अनुचित निपटान पर दूरसंचार कंपनियों पर 50 लाख रुपये तक जुर्माने का प्रस्ताव: ट्राई

नयी दिल्ली, एजेंसी

दूरसंचार नियामक ट्राई ने बृहस्पतिवार को दूरसंचार कंपनियों के लिए ग्राहकों की शिकायतों के समाधान के लिए एक नई व्यवस्था का प्रस्ताव रखा। इसमें नियमों के उल्लंघन के मामलों में दूरसंचार कंपनियों पर प्रति तिमाही 50 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाने का सुझाव दिया गया है।

प्रस्तावित दूरसंचार उपभोक्ता शिकायत निवारण (चौथा संशोधन) विनियमन, 2026 के तहत सेवा प्रदाताओं के वेब पोर्टल, ऐप और चैटबॉट पर स्पष्ट शिकायत

पंजीकरण सुविधा उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। साथ ही पंजीकृत शिकायतों पर की गई कार्रवाई के बारे में उपभोक्ताओं को नियमित रूप से जानकारी प्रदान की जाएगी।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के मसौदा पत्र के मुताबिक, यदि शिकायत की पड़ताल में यह पाया जाता है कि किसी शिकायत या अपील को अनुचित तरीके से खारिज किया गया है या असंतोषजनक ढंग से निपटाया गया है तो सेवा प्रदाता पर अनुचित तरीके से निपटान वाली हरेक शिकायत के मामले में 1,000 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा।

यह भी है मसौदे में

नियमों के मसौदे में कहा गया है कि अपील को अनुचित तरीके से खारिज करने या निपटाने की स्थिति में, प्रत्येक गड़बड़ी के लिए 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। यह भी प्रस्ताव है कि प्रत्येक सेवा प्रदाता यह सुनिश्चित करेगा कि उपभोक्ता उनके वेब पोर्टल, वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से शिकायतें या अपील दर्ज करा सकें और अनुरोध या प्रश्न उठा सकें।

दूरसंचार संचालकों को ग्राहकों को अपनी संचार की श्रेणी चुनने का विकल्प प्रदान करना होगा, जिसमें शिकायत, अपील, सेवा अनुरोध या प्रश्न शामिल हैं। ट्राई ने इस पर पांच जून तक टिप्पणियां आमंत्रित की है।

किसानों की आय बढ़ाने को बनेगी टास्क फोर्स

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री की अध्यक्षता में यह निर्णय लिया गया कि आईसीएआर के वैज्ञानिक संस्थान, एपीडा, निर्यातक और अन्य एजेंसियां मिलकर एक विशेष टास्क फोर्स बनाएंगी। यह टास्क फोर्स उत्पादकों और निर्यातकों की समस्याओं का समाधान कर समयबद्ध एक्शन प्लान तैयार करेगी, जिससे किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

यूपी को मिलेगा क्लीन प्लांट मिशन का लाभ
शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि केंद्र सरकार के “क्लीन प्लांटिंग मेटेरियल प्रोग्राम” के तहत उत्तर प्रदेश को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में उन्होंने छटे किसानों को बाजार और निर्यात से जोड़ने में एफपीओ, एफपीसी और स्वयं सहायता समूहों की भूमिका को अहम बताया। कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा कई निर्यातोन्मुख वलस्टर विकसित किए जा रहे हैं। साथ ही बताया कि जल्द ही जेवर एयरपोर्ट से जुड़ी निर्यात परियोजनाएं प्रदेश को फल निर्यात के बड़े केंद्र के रूप में स्थापित करेंगी।

बेहतर पोस्ट-हार्वेस्ट प्रबंधन, पैकहाउस और प्रोसेसिंग सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से किसान, वैज्ञानिक, निर्यातक, नर्सरी संचालक, एफपीओ और फल प्रसंस्करण क्षेत्र

से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस दौरान प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी व कृषि विज्ञानी मौजूद रहे।

सेबी ने बंद किया शेयर ब्रोकरों के जोखिम का सुरक्षा प्रणाली मंच

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने गुरुवार को शेयर ब्रोकरों के लिए निवेशक जोखिम कम करने वाले मंच आईआरआरए को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया। भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने कहा कि पूंजी बाजार में कामकाज जारी रखने की मजबूत व्यवस्था और साइबर सुरक्षा ढांचे के सशक्त होने से यह मंच अब अप्रासंगिक हो गया है। आईआरआरए (इन्वेस्टर रिस्क रिडक्शन एक्सेस) मंच एक अक्टूबर, 2023 को शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य ब्रोकरों को शेयर खरीद-बिक्री सेवाओं में बाधा आने की स्थिति में एक वैकल्पिक माध्यम उपलब्ध कराना था। सेबी के मुताबिक, शेयर बाजारों ने बताया है कि आईआरआरए मंच कभी भी उपयोग में नहीं आया था।

एचएएम सड़क परियोजनाएं देरी से चल रहीं, लेकिन कर्ज जोखिम

फिलहाल स्थिर : क्रिसिल

नयी दिल्ली, एजेंसी

देश में ‘हाइब्रिड एन्युटी मॉडल’ (एचएएम) यानी सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत बनाई जा रही सड़क परियोजनाओं का एक बड़ा हिस्सा निर्धारित समय से पीछे चल रहा है लेकिन उनकी ऋण जोखिम प्रोफाइल स्थिर बनी हुई है। क्रिसिल ने गुरुवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

रेंटिंग एजेंसी ने कहा कि रियायत समझौते में मौजूद सुरक्षा प्रावधानों के चलते इन परियोजनाओं के जोखिम पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है। यह समझौता सरकार और निजी कंपनी के बीच होता है जिसमें कंपनी को कुछ शर्तों और भुगतान व्यवस्था के साथ किसी परियोजना के निर्माण एवं संचालन की अनुमति दी जाती है। एचएएम मॉडल के तहत सरकार निर्माण कंपनी को तय अवधि तक एक निश्चित भुगतान (एन्युटी) करती है। क्रिसिल ने कहा कि इन सड़क परियोजनाओं के निर्माण में देरी मुख्य रूप से रियायत देने वाले प्राधिकरण द्वारा समय विस्तार दिएं

कृषि नवाचार



लखनऊ स्थित आईसीएआर—केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान (सीआईएसएच) में आयोजित ‘फ्रूट होराइजन 2026’ में अपने गॉडसन ऑर्गेनिक फार्म में उगाये गये ‘रोज एपल’ के बारे में प्रस्तुतिकरण देते बरेली के प्रगतिशील किसान अनिल साहनी। इस रोज एप्पल की सभी वैज्ञानिकों ने बहुत सराहना की।

एआईमॉडल ‘माइथोस’ के खतरे से सतर्क रहें बैंक

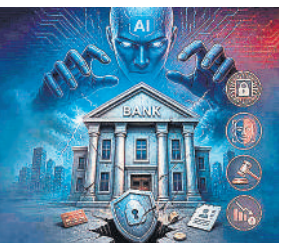
मुंबई, एजेंसी

वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के सचिव एम नागराजू ने गुरुवार को बैंकों से अपनी साइबर सुरक्षा एवं परिचालन मजबूती को सुदृढ़ करने का आह्वान करते हुए कहा कि एंथ्रोपिक माइथोस जैसे उन्नत कृत्रिम मेधा (एआई) मॉडल सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होने की स्थिति में बैंकिंग प्रणाली के लिए

गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं।

नागराजू ने यहां भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की तरफ से आयोजित जोखिम प्रबंधन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे उम्मीद है कि बैंकिंग समुदाय इस स्थिति के लिए तैयार है, अगर ‘माइथोस’ देश में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होता है।

उन्होंने साइबर सुरक्षा के मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा कि एआई कंपनी एंथ्रोपिक का ‘माइथोस’ मॉडल सिस्टम की पहचान करने और संभावित रूप से उसका दुरुपयोग करने की उन्नत क्षमता



● **आईबीए के सम्मेलन में वित्तीय सेवा सचिव ने बैंकों को चेताया**

रखता है। इसने पुराने बैंकिंग तकनीकी ढांचे में मौजूद खामियों के कारण नियामकों के बीच चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने चेतावनी देते दी कि एक सफल साइबर हमला विभिन्न संस्थानों और बाजारों में तेजी से फैल सकता है।

नागराजू ने बैंकों से अपनी तैयारियों का लगातार परीक्षण करने, साइबर क्षमताओं में निवेश बढ़ाने, घटनाओं से निपटने की प्रणाली को मजबूत करने और व्यवसाय निरंतरता योजनाओं को व्यावहारिक, अद्यतन एवं नियमित रूप से अभ्यास में लाने को कहा।

राज्यों के जीडीपी की गणना के लिए दिशा निर्देश जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सांख्यिकी मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की गणना के लिए 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए एक समान दिशा निर्देश जारी किए हैं। इससे सभी राज्यों में मानकीकृत ढांचे और प्रदर्शन की तुलनात्मकता तय की जा सकेगी।

राष्ट्रीय लेखा खातों की गणना के लिए आधार वर्ष को पहले ही 2022-23 में बदल दिया गया है ताकि नये आंकड़ों और विकसित हो रहे अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ बेहतर अनुमान पद्धतियों को शामिल करके अर्थव्यवस्था की संरचना को अधिक सटीक रूप से समझा जा सके। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने बयान में कहा कि इस बदलाव के अनुरूप, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को क्षेत्रीय आर्थिक प्रदर्शन के आकलन में अधिक सटीकता, एकरूपता और तुलनात्मकता सुनिश्चित करने के लिए सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) संकलन को नए आधार वर्ष को अपनाना जरूरी है।

इससे राज्य स्तरीय अनुमानों की एकरूपता, विश्वसनीयता के उद्देश्य से एक मानकीकृत ढांचा प्राप्त होगा।

बदलाव

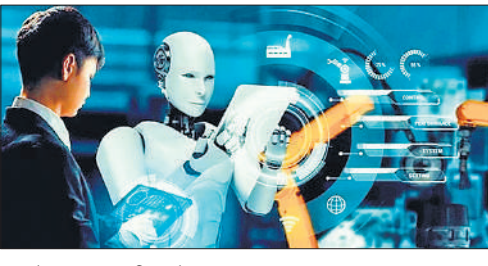
कोफोर्ज का मुनाफा दोगुना, एआई से पैदा होंगे नए और ज्यादा लाभ वाले अवसर

कामकाज का मॉडल बदल रहा एआई, पर बाजार नहीं होगा कम

नई दिल्ली, एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी कोफोर्ज ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल से आईटी उद्योग का पारंपरिक ‘लेबर-एज-ए-डिफॉल्ट’ मॉडल बदल रहा है। हालांकि, कंपनी का मानना है कि इससे आईटी सेवाओं का बाजार छोटा नहीं होगा, बल्कि नए और ज्यादा मुनाफे वाले अवसर पैदा होंगे।

कंपनी का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दोगुना होकर 612.3 करोड़ रुपये पहुंच गया एक साल पहले इसी अवधि में यह 308 करोड़ रुपये के आसपास था। वहीं, कंपनी का राजस्व 30 प्रतिशत बढ़कर 4,450.4 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 3,422.2 करोड़ रुपये था। कंपनी के सीईओ और कार्यकारी निदेशक सुधीर सिंह ने कहा कि एआई के बढ़ते इस्तेमाल से टेक्नोलॉजी सर्विस इंडस्ट्री में बड़ा बदलाव आ रहा है। उन्होंने कहा कि एआई से कोड बनाना भले सस्ता हो, लेकिन उसका रखरखाव, सुरक्षा और संचालन महंगा पड़ता है। इसलिए आने वाले समय में एआई आधारित सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ेगी।



एजेंट एआई बनेगा नया बड़ा बाजार

सुधीर सिंह ने कहा कि जैसे 20 साल पहले कंपनियां क्लाउड टेक्नोलॉजी की ओर बढ़ी थीं, वैसे ही अब ‘एजेंट एआई’ नई तरह की मैनेज्ड सर्विसेज का बड़ा बाजार तैयार करेगा। उन्होंने कहा कि एआई सिस्टम लागू होने के बाद कंपनियों को मॉडल की निगरानी करनी होगी। एआई एजेंट्स को दोबारा ट्रेन करना होगा और पूरे सिस्टम का संचालन संभालना होगा। इससे आईटी कंपनियों के लिए नए बिजनेस अवसर बनेंगे। कोफोर्ज ने निवेशकों को बताया कि फिलहाल एआई आधारित टेक्नोलॉजी सेवाओं का बाजार 160-180

बढ़ती लागत से निपटने को प्रौद्योगिकी अपना रहा रियल एस्टेट क्षेत्र : रिपोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत का रियल एस्टेट क्षेत्र बढ़ती लागत के दबाव और सख्त नियामकीय अनुपालन के बीच मूल्य श्रृंखला में दक्षता बढ़ाने के लिए तेजी से डिजिटल और डेटा-आधारित माध्यमों (टूल) को अपना रहा है। उद्योग मंडल फिक्की और केपीएमजी की भूमिका ‘गुरुवार को यहां जारी की गई। फिक्की द्वारा आयोजित एक शिखर सम्मेलन में जारी रिपोर्ट में कहा गया कि... यह क्षेत्र अब तेजी से डिजिटल और डेटा-आधारित माध्यमों को अपना रहा है।

अरब डॉलर का है। इसके अगले पांच वर्षों में 35 प्रतिशत की दर से बढ़ते हुए 800 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। कोफोर्ज ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने एआई पर 55 लाख डॉलर का निवेश किया।

